DEPARTMENT OF SANSKRIT
UNIVERSITY OF DELHI
DELHI - 110007

B.A. (Honours) SANSKRIT
(Three Year Full Time Programme)

Semester I	Paper 1- Proficiency in Sanskrit Language - I
	Paper 2- Sanskrit Literature - I
	Paper 3 - Concurrent- Qualifying Language
Semester II	Paper 4 - Sanskrit Literature - II
	Paper 5 - Critical Survey of Sanskrit Literature - I
	Paper 6 - Self Management in the Gita+
	Paper 7 - Concurrent-Credit Language
Semester III	Paper 8 - Sanskrit Literature - III
	Paper 9 - Critical Survey of Sanskrit Literature-II
	Paper 10 - Proficiency in Sanskrit Language - II
	Paper 11 - Concurrent-Interdisciplinary
Semester IV	Paper 12 - Nationalism and India Polity
	Paper 13- Sanskrit Literature - IV
	Paper 14- Indian Scientific Heritage
	Paper 15 - Concurrent-Discipline Centered I
Semester V	Paper 16- Vedic Literature
	Paper 17- Reasoning: Ontology, Epistemology & Logic
	Paper 18 - Epigraphy, Paleography & Chronology
	Paper 19 - Linguistics & Philosophy of Language
Semester VI	Paper 20- Aesthetics and Indian theatre
	Paper 21- Proficiency in Sanskrit Language-III
	Paper 22- Option A: Modern Sanskrit Literature Option B: Mathematics & Astronomy
	Paper 23- Concurrent - Disicipline Centered II

Semester - I

Paper 1 – Proficiency in Sanskrit Language-I
संस्कृतभाषानैपुण्य-I

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' शब्दरूप, धातुरूप एवं अव्यय

भाग 'ख' लघुसिद्धान्तकौमुदी

भाग 'ग' भाषाबोध

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(शब्दरूप, धातुरूप एवं अव्ययपद)

अन्विति 1 **प्रमुख शब्दरूप** - राम, कवि, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, गो, फल, वारि, मधु, मरुत्, जगत्, आत्मन्, दण्डिन्, वाच्, सरित्, सर्व, यद्, तद्, एतद्, किम्, अस्मद्, युष्मद्, एक से दस तक संख्यावाचक शब्द ।

अन्विति 2 **प्रमुख धातुरूप** - पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हु, दिव्, तन्, तुद्, सु, रुध्, क्री, चुर् तथा सेव् के रूप (लट्, लोट्, लृट्, लङ् तथा विधिलिङ् लकारों में) ।

अन्विति 3 **प्रमुख अव्यय** - अत्र, तत्र, यत्र, कुत्र, सर्वत्र, अद्य, उपरि, पूर्वम्, अधस्तात्, पुरस्तात्, अग्रतः, पृष्ठतः, प्रातः, सायम्, दिवा, नक्तम्, सद्यः, पुरा, नित्यशः, ह्यः, परह्यः, श्वः, परश्वः, तदानीम्, इदानीम्, अपि, यथा, तथा, यदि, तर्हि, यदा, कदा, कति, विना, प्रायेण, कदाचित्, अलम्, मा, वा, खलु, नितराम्, भृशम्, यतः, ततः, कुतः सर्वतः, प्रभृति, अधुना, मुहूर्तम्, सह, साकम्, सार्धम्, सत्वरम् ।

अन्विति 4 **कृत्प्रत्यय**- तव्यत्, तव्य, अनीयर्, यत्, ण्यत्, क्यप् । ण्वुल्, तृच्, अण्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तुमुन्, घञ्, अच्, क्तिन्, क्त्वा (ल्यप्), ल्युट्

तद्धितप्रत्यय- *मत्वर्थीय* - मतुप्, इनि, ठन् । *अपत्यार्थक-* अण्, इञ्, ढक् ।
भवार्थक - यत्, अण्, छ । *विकारार्थक* - अण्, मयट् ।
भावकर्मार्थक - त्व, तल्, इमनिच्, ष्यञ्। अन्य - तरप्, तमप्, ईयसुन्, इष्ठन्, तसिल्, त्रल्, इतच् ।

भाग 'ख'
(लघुसिद्धान्तकौमुदी)

अन्विति 1 माहेश्वरसूत्र व प्रत्याहार की अवधारणा, संस्कृत की वर्णमाला - उच्चारणस्थान एवं प्रयत्न (लघुसिद्धान्तकौमुदी पर आधारित) ।

अन्विति 2 प्रमुख संज्ञाएँ (लघुसिद्धान्तकौमुदी पर आधारित) - इत्, लोप, ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत, उदात्त, अनुदात्त, स्वरित, अनुनासिक, सवर्ण, संहिता, संयोग, पद, गुण, वृद्धि, प्रगृह्य।

अन्विति 3 सन्धि - (लघुसिद्धान्तकौमुदी पर आधारित) अधोलिखित सन्धियों का अध्ययन प्रदत्त सूत्रों के बोध के साथ किया जाना अपेक्षित है-

(i) अच्सन्धि (स्वरसन्धि)

- दीर्घ - अकः सवर्णे दीर्घः
- गुण - आद् गुणः, उरण् रपरः
- वृद्धि - वृद्धिरेचि
- यण् - इको यणचि, तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य
- अयादि - एचोऽयवायावः,यथासंख्यमनुदेशः समानाम्
- पूर्वरूप - एङः पदान्तादति, अचोऽन्त्यादि टि
  शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम् (वार्तिक)
- प्रगृह्य - ईदूदेद् द्विवचनं प्रगृह्यम्, अदसो मात्,
  प्लुतप्रगृह्या अचि नित्यम्

(ii) हल्सन्धि (व्यञ्जनसन्धि)

- श्चुत्व - स्तोः श्चुना श्चुः
- ष्टुत्व - ष्टुना ष्टुः
- जश्त्व - झलां जशोऽन्ते
- अनुनासिकत्व - यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा
- पूर्वसवर्णत्व - झयो होऽन्यतरस्याम्,शश्छोऽटि

- परसवर्णत्व - अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, वा पदान्तस्य
- अनुस्वारत्व - मोऽनुस्वारः, नश्चापदान्तस्य झलि
- छत्व - छे च, पदान्ताद्वा

(iii) विसर्गसन्धि

- सत्व - विसर्जनीयस्य सः, वा शरि
- रुत्व - ससजुषो रुः
- उत्व - अतो रोरप्लुतादप्लुते, हशि च
- यत्व - भोभगोअघोअपूर्वस्य योऽशि, हलि सर्वेषाम्
- लोप - रो रि, ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः, एतत्तदोः सुलोपोऽकोरनञ्समासे हलि

भाग 'ग'
(भाषाबोध)

अन्विति 1 लघुवाक्यरचना

अन्विति 2 अपठित गद्यांश

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i) भाग 'क' की प्रथम अन्विति से तीन शब्दरूप एवं द्वितीय अन्विति से तीन धातुरूप — 3x3 + 3x3 = 18

(ii) भाग 'क' की प्रथम अन्विति से तीन शब्दरूपों का तथा द्वितीय अन्विति से तीन धातुरूपों का पदपरिचय — 6

(iii) भाग 'क' की तृतीय अन्विति से चार अव्ययों का संस्कृत-वाक्यों में प्रयोग — 4

(iv) भाग 'क' की चतुर्थ अन्विति से दो कृत्प्रत्ययों एवं दो तद्धितप्रत्ययों से शब्दनिर्माण एवं दो शब्दों का प्रकृति-प्रत्यय परिचय — 2+2+2 = 6

(v) भाग 'ख' की प्रथम अन्विति से दो लघु टिप्पणियाँ — 2 x 2 = 4

(vi) भाग 'ख' की द्वितीय अन्विति से दो लघु टिप्पणियाँ — 2 x 2 = 4

(vii) भाग 'ख' की तृतीय अन्विति के प्रत्येक वर्ग से सूत्र-निर्देशपूर्वक एक-एक सन्धि — 4 x 3 = 12

(viii) भाग 'ख' की तृतीय अन्विति के प्रत्येक वर्ग से एक-एक सन्धिविच्छेद 1+1+ 1 = 03

(ix) भाग 'ग', प्रथम अन्विति : पाँच वाक्यों का हिन्दी अथवा अंग्रेजी से संस्कृत में अनुवाद 2x5= 10

(x) संस्कृत के अपठित गद्यांश पर आधारित चार प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर 2x4= 8

कुल अङ्क = 75

नोट – प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

- द्विवेदी, कपिलदेव – रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.
- नौटियाल, चक्रधर – बृहद्-अनुवाद-चन्द्रिका, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- पाण्डेय, राधामोहन – *संस्कृत सहचर*, स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स, पटना.
- शास्त्री, आचार्य राम – *संस्कृत-शिक्षण-सरणी*, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली.
- शास्त्री, धरानन्द – *लघुसिद्धान्तकौमुदी*, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, दिल्ली.
- शास्त्री, भीमसेन – *लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमीव्याख्या (भाग-1)*, भैमीप्रकाशन, दिल्ली.
- Apte, V.S. – *The Students' Guide to Sanskrit Composition*, Chowkhamba Sanskrit Series, Varanasi (Hindi Translation also available)
- Kale, M.R. – *Higher Sanskrit Grammar*, MLBD, Delhi (Hindi Translation also available)
- Kanshiram – *Laghusiddhāntakaumudī* (Vol. 1), MLBD, Delhi, 2009.

Paper 2 – (संस्कृत साहित्य-I) Sanskrit Literature-I

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' **अपरीक्षितकारकम्** (पञ्चतन्त्रम्, विष्णुशर्मा)

भाग 'ख' **सुन्दरकाण्डः : 15-17 सर्ग** (वाल्मीकिरामायण)

भाग 'ग' **नीतिशतकम् : 1-50 पद्य** (भर्तृहरि, डी डी कोशाम्बी द्वारा सम्पादित)

भाग 'घ' **स्वप्नवासवदत्तम्** (भास) अंक 1,5 एवं *6* से व्याख्या। शेष अंकों का द्रुतवाचन। आलोचनात्मक प्रश्न के लिए समग्र नाटक का अध्ययन अपेक्षित।

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(अपरीक्षितकारकम्)

अन्विति 1 क्षपणक कथा, ब्राह्मणी-नकुल कथा, लोभाविष्टचक्रधर कथा, सिंहकारक-मूर्खब्राह्मण कथा।

अन्विति 2 मूर्खपण्डित कथा, मत्स्यमण्डूक कथा, रासभ- शृगाल कथा, मन्थरकौलिक कथा।

भाग 'ख'

(सुन्दरकाण्डः)

अन्विति 1 सुन्दरकाण्ड - 15-17 सर्ग (वाल्मीकिरामायण)

भाग 'ग'

(नीतिशतकम्)

अन्विति 1 नीतिशतकम् 1-50 पद्य।

भाग 'घ'

(स्वप्नवासवदत्तम्)

अन्विति 1 स्वप्नवासवदत्तम्।

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन (Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' की प्रत्येक अन्विति से एक-एक अंश का अनुवाद	5 +5 = 10
(ii)	भाग 'क' से एक व्याख्यात्मक प्रश्न	8
(iii)	भाग 'ख' से दो पद्यों की व्याख्या	6 x 2 = 12
(iv)	भाग 'ग' से दो पद्यों की व्याख्या	6 x 2 = 12

(v) भाग 'ख' अथवा 'ग' से संस्कृत में एक पद्य की व्याख्या
अथवा किसी विषय पर लघु टिप्पणी — 6

(vi) भाग 'घ' से दो पद्यों की व्याख्या — 6 x 2 = 12

(vii) भाग 'घ' से एक आलोचनात्मक प्रश्न — 10

(viii) सम्पूर्ण भागों में से किन्हीं पाँच पदों की व्याकरणात्मक टिप्पणी — 5

कुल अङ्क = 75

नोट – प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रंथ

- *अपरीक्षितकारक* (पञ्चतन्त्र, विष्णुशर्मा) : (व्या०) कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी.
  : श्यामचरण पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2008.
- *वाल्मीकिरामायण* : राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जनकपुरी, दिल्ली.
  : गीता प्रेस, गोरखपुर.
- *शतकत्रयम्* (भर्तृहरि) : पी. गोपीनाथ, एन.एस. सिंह, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली.
- *सुन्दरकाण्ड* (वाल्मीकि रामायण) : गीताप्रेस, गोरखपुर
  : जियालाल काम्बोज, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली.
- *स्वप्नवासवदत्तम्* (भास) : (व्या०) जयपाल विद्यालंकार, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- *Pancatantra of Viśnuśarman* : (Ed.) M.R. Kale, M.L.B.D., Delhi.
- *The Nītiśataka of Bhartṛhari* : (Ed.) M.R. Kale, M.L.B.D., Delhi.
- *Svapnavāsavadattam of Bhāsa* : (Ed.) M.R. Kale, M.L.B.D., Delhi.
  : (Ed.) M.D. Paradkar, etc., Bombay Adreesh Prakashan, 1972.

- *Vālmīki Rāmāyaṇa* (Vol. 1) : (Ed.) A.L. Gadgil, Śriranakośa Maṇḍal, Pune, 1982.

सहायक ग्रंथ

- उपाध्याय, बलदेव - *संस्कृत साहित्य का इतिहास*, शारदा निकेतन, वाराणसी, 1975.
- उपाध्याय, रामजी - *संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास*, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1993.
- Keith, A.B. – *History of Sanskrit Literature*, also Hindi translation, MLBD, Delhi.

  हिन्दी अनुवाद, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल, बनारसीदास
- Macdonell, A.A. – *History of Sanskrit Literature*, MLBD, Delhi.

Paper 3

Concurrent- Qulifying Language

Semester - II

Paper 4 – (संस्कृत साहित्य-II) Sanskrit Literature-II

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' **रघुवंशम्, द्वितीय सर्गः** (कालिदास)

अनुशासनपर्व, अध्याय, 07 (महाभारत)

भाग 'ख' **शुकनासोपदेशः** (कादम्बरी, बाणभट्ट)

विश्रुतचरितम् (दशकुमारचरित, दण्डी) ('पानेऽपि .... लोकतन्त्रमिति' अर्थात् 20वें अनुच्छेद तक)

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

अन्विति 1 रघुवंश, द्वितीय सर्ग

अन्विति 2 अनुशासनपर्व, अध्याय 07 (महाभारत)

भाग 'ख'

अन्विति 1 शुकनासोपदेश

अन्विति 2 विश्रुतचरित

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' की प्रत्येक अन्विति से 2–2 पद्यों की सप्रसङ्ग व्याख्या	6 x 4 = 24
(ii)	भाग 'क' की प्रथम अन्विति से एक विवेचनात्मक प्रश्न	10
(iii)	भाग 'क' की द्वितीय अन्विति से एक संस्कृत व्याख्या / टिप्पणी	6
(iv)	भाग 'ख' की प्रथम अन्विति से दो अंशों की व्याख्या	5 x 2 = 10
(v)	भाग 'ख' की द्वितीय अन्विति से दो अंशों का अनुवाद	5 x 2 = 10
(vi)	भाग 'ख' से एक आलोचनात्मक प्रश्न	10
(vii)	सम्पूर्ण भागों में से किन्हीं पाँच पदों की व्याकरणात्मक टिप्पणी	5
	कुल अङ्क	**= 75**

नोट – प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूलग्रन्थ

• *दशकुमारचरितम्* (दण्डी)	:	अर्थप्रकाशिकोपेतम्, सुबोधचन्द्र पंत एवं विश्वनाथ झा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
• *रघुवंशम्* (कालिदास)	:	(मल्लिनाथकृत सञ्जीवनी टीका सहित) कृष्णमणि त्रिपाठी, चौ० सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी.
• *विश्रुतचरितम्* (दशकुमारचरित, दण्डी से आहृत)	:	(व्या०) सुरेन्द्रदेव शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ.
	:	संस्कृत एवं हिन्दी टीका सहित, विश्वनाथ झा एवं सुबोधचन्द्र पंत, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
• *शुकनासोपदेश* (कादम्बरी-बाणभट्ट से आहृत)	:	प्रह्लादकुमार, मेहरचंद लछमनदास, दिल्ली, 1974.
	:	सुबोधिनी संस्कृत (हि०व्या०), रामपाल शास्त्री, चौखम्बा ओरियंटालिया, वाराणसी, 1978.
	:	रमाकान्त झा, हरिहर झा, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1996.
• *Mahābhārata* of Vyāsa	:	*The Great Epic of India,* Poona BORI, Sukhatḥnkar, V.S. & Others.
• *Raghuvaṁśam* of Kālidāsa	:	(Text, Eng. Tr.) C.R. Devadhar, MLBD.
	:	(Ed.) M.R. Kale, MLBD.
	:	(Ed. with Mallinātha's Commentary), Gopal Raghunath Nandergikar, MLBD, Delhi.

सहायक ग्रंथ

- उपाध्याय, बलदेव – *संस्कृत साहित्य का इतिहास*, शारदा निकेतन, वाराणसी, 1975.
- उपाध्याय, रामजी – *संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास*, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1993.
- Keith, A.B. – *History of Sanskrit Literature*, also Hindi translation, MLBD, Delhi.
  – हिन्दी अनुवाद, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
- Macdonell, A.A. – *History of Sanskrit Literature*, MLBD, Delhi.
- Mirashi, V.V. – *Kalidasa*, Mumbai

Paper 5 – (संस्कृत-साहित्य का आलोचनात्मक सर्वेक्षण-I)

Critical Survey of Sanskrit Literature-I

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' वैदिक साहित्य

भाग 'ख' उपजीव्य काव्य : रामायण, महाभारत एवं पुराण

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'
(वैदिक साहित्य)

अन्विति 1 संहिताएँ (विशेषत: ऋग्वेद एवं अथर्ववेद), ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, षड्वेदाङ्ग।

भाग 'ख'
(उपजीव्य काव्य)

अन्विति 1 रामायण

अन्विति 2 महाभारत

अन्विति 3 पुराण

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i) भाग 'क' एवं भाग 'ख' से दो-दो दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न 12 x 4 = 48

(ii) भाग 'क' से दो तथा भाग 'ख' से एक लघु टिप्पणी (जिनमें से एक संस्कृत में हो) 7 x 3 = 21

(iii) तिलक, मैक्समूलर, याकोबी, विंटरनित्स, अविनाशचन्द्रदास, देवधर, सम्पूर्णानन्द इत्यादि पर आलोचनात्मक लघु निबन्ध। 6

कुल अङ्क = 75

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

- उपाध्याय, बलदेव – *संस्कृत साहित्य का इतिहास*, शारदा निकेतन, वाराणसी, 1975.
  – *वैदिक साहित्य और संस्कृति*, वाराणसी.
- उपाध्याय, रामजी – *संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास*, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1993.
- गैरोला, वाचस्पति – *संस्कृत साहित्य का इतिहास*, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1975.
- पाण्डे, एस.एन. एवं आर.वी. जोशी – *वैदिक साहित्य की रूपरेखा*, साहित्य निकेतन, कानपुर.
- प्रीतिप्रभा गोयल – *संस्कृत साहित्य का इतिहास*, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, 1998.
- शर्मा, उमाशङ्कर (ऋषि) – *संस्कृत साहित्य का इतिहास*, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 1999.

- शास्त्री, हरिदत्त – *संस्कृत काव्यकार*, साहित्य भण्डार, मेरठ, 1995.
- राधावल्लभ त्रिपाठी – संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- Keith, A.B. – *History of Sanskrit Literature*, also Hindi translation, MLBD, Delhi.
  हिन्दी अनुवाद, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
- Krishnamachariar – *History of Classical Sanskrit Literature*, MLBD, Delhi.
- Macdonell, A.A. – *History of Sanskrit Literature*, MLBD, Delhi.
- Shastri, Gaurinath – *A Concise History of Sanskrit Literature*, MLBD, Delhi.
- Winternitz, Maurice – *History of Indian Literature* (Vol. I-II), also Hindi Translation, MLBD, Delhi.
- Warder, A.K. – *Indian Kāvya Literature* (Vol. I-VII), MLBD, Delhi.

Paper 6 –(गीता में आत्मप्रबन्धन) Self - Management in the Gītā

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

गीता से चुने गये पद्य

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

अन्विति 1 **मन का स्वरूप** - सृष्टि (7.4), मुख्य तत्त्व (7.5-6), उत्पत्ति (15.7), (15.9), इन्द्रियाद्यधिष्ठाता (3.42), (10.20), (10.22)

मानसिक द्वन्द्व - (1.1) बुद्धि मन व इन्द्रियों की भूमिका (2.60, 67), (3.36-38, 40), (16.21), (2.62-63)

मानसिक द्वन्द्वों के कारण - (16.21), (2.62-63)

त्रिगुणात्मिका सृष्टि और मानसिक द्वन्द्वों का मूल कारण रजोगुण - (14.5), (13.5-6), (14.11-13)

मनुष्य के कर्म व स्वभाव का कारण - (18.13-16)

मानसिक द्वन्द्व, ऊहापोह और तर्कणा - (1.10-11)

अन्विति 2 **चेतन और परमात्मा के मध्य सम्बन्ध - परमात्मशरण** - (2.7)

परमात्मशरण का प्रयोजन व उसकी आवश्यकता - (13.31-32), (10.41), (7.12), (10.4-5)

परमात्मा के साथ सायुज्य की विधियाँ - समत्वबुद्धि का सिद्धान्त (9.29), परस्परता का सिद्धान्त (9.29), (4.11), (7.21), (8.6), (9.22), (7.16 - 17), (9. 23), परिपूरकता (Complimentarity) का सिद्धान्त (2.47), आदर्श आचरण (3.21-23), परमात्मभक्ति के सोपान (12.12), (9.26), (9.31), (11. 53-54)

अन्विति 3 **मन की दुर्बलता तथा बुद्धि की किंकर्त्तव्यविमूढता** - (2.3)

इन्द्रियों पर नियन्त्रण और बुद्धि की महत्ता - (2.49, 52), (2.55, 62, 65, 67), (4.38, 39, 42), (18.63), (18.30-32)

मन की चञ्चलता, संयम और मन पर नियन्त्रण - (6.11-14, 25-26, 34-36)

योग की सिद्धि में साधक तत्त्व - अभ्यास और वैराग्य (3.8), (6.3, 16-17), आहारशुद्धि (17.8-10), (3.12-13), तपस् (17.14-19), अभ्यास का नैरन्तर्य और उपाय (6.36)

आत्मप्रबन्धन का निष्कर्ष एवं फल (18.51-66, 78).

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय अन्विति में से प्रत्येक अन्विति से कम से कम एक पद्य को चुनते हुए कुल पाँच पद्यों की व्याख्या	7 x 5 = 35
(ii)	दो दीर्घ उत्तरीय समीक्षात्मक प्रश्न	11 x 2 = 22
(iii)	तीन संक्षिप्त टिप्पणियाँ	6+6+6= 18
	कुल अङ्क	**= 75**

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रन्थ

- *श्रीमद्भगवद्गीता* – शाङ्करभाष्य सहित, हिन्दी अनुवाद – हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर, संवत् 2049.
- *श्रीमद्भगवद्गीता* – शङ्कराचार्य (शङ्कराचार्य ग्रन्थमाला सीरीज-2), शाङ्करभाष्य सहित, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004.
- *श्रीमद्भगवद्गीता* – तत्त्वविवेचनी हिन्दी टीका सहित, टीकाकार जयदयाल गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर, संवत्.
- *श्रीमद्भगवद्गीता* – मधुसूदन सरस्वती कृत गूढार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभा भाष्य (हिन्दी) सहित, व्याख्याकार – मदन मोहन अग्रवाल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी, 1994.
- *श्रीमद्भगवद्गीता* – एस० राधाकृष्णन् कृत व्याख्या का हिन्दी अनुवाद, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1969.
- *श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य और कर्मयोगशास्त्र* – बाल गङ्गाधर तिलक, अपोलो प्रकाशन, दिल्ली, 2008.
- *Śrimadbhagvadgitā Tattvavivecanī* – English commentary by Jayadayal Goyandka, Gita Press, Gorakhpur, 1997.
- *Śrimadbhagvadgitārahasya* – *or* Karmayogaśastra – The Hindu Philosophy of Life, Ethics and Religion, Original Sanskrit Stanzas with English translation, Bal Gangadhar Tilak & Balchandra Sitaram Sukthankar, J.S. Tilak & S.S. Tilak, 1965.
- *Śrimadbhagvadgītā* – A Guide to Daily Living, English translation and notes by Pushpa Anand, Arpana Publications, 2000.
- *Śrimadbhagvadgītā* – The Scripture of Mankind, text in Devanagari with transliteration in English and notes by Swami Tapasyananda, Sri Ramakrishna Math, 1984.

- *Śrimadbhagvadgītā* – Swarupananda, Kessinger Publishing, 1998.
- *Śrimadbhagvadgītā* The Blessed Lord's Song – Paramananda, The Vedanta Centre, 1913.
- *Śrimadbhagvadgītā* – Wasudev Laxman Sastri Pansikar, Munshiram Manoharlal Publishers, 1996.

सहायक ग्रन्थ

- गहमरी, मान्धाता सिंह – *गीता और विज्ञान, ज्ञान-विज्ञान,* ट्रस्ट सिन्डिकेट, बिहार, 1977.
- Chinmayananda – *The Art of Man Making* (114 short talks on the Bhagvadgita), Central Chinmaya Mission Trust, Bombay, 1991.
- Koestler, Arthur – *Act of Creation*, Wordsworth Classics, Arkana, Penguin Books, 1989.
- Manhas, M.S. – *Śrimadbhagvadgitā through the Eyes of a Scientist*, B.R. Publishing Corporation, Delhi, 1997.
- Panchamukhi, V.R. – *Managing One-Self* (*Śrimadbhagvadgitā*: Theory and Practice), Vidyaratna Sri R.S. Panchamukhi Indological Research Centre, New Delhi & Amar Grantha Publications, Delhi, 2001.
- Sachdeva, I.P. – *Yoga and Depth Psychology* (with special reference to the integration of personality), Motilal Banarasidass, Delhi, 1978.
- Sri Aurobindo – *Essays on the Gita*, Sri Aurobindo Ashram, Pondicherry, 1987.
- Srinivasan, N.K. – *Essence of Śrimadbhagvadgitā: Health & Fitness* (commentary on selected 90 verses), Pustak Mahal, Delhi, 2006.
- Virajeshvar – *Science of Bhagvadgita* (A Study of Ancient Wisdom through Modern Science), Himalayan Books, Connaught Place, New Delhi, 1977.

Paper 7

Concurrent - Credit Language

Semester - III

Paper 8 – (संस्कृत साहित्य-III) Sanskrit Literature-III

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' **कुमारसंभवम्, पंचम सर्ग 31 से 86 पद्य**

भाग 'ख' **अभिज्ञानशाकुन्तलम्**

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(कुमारसंभवम्)

अन्विति 1 पंचम सर्ग 31 से 62 पद्य

अन्विति 2 पंचम सर्ग 63 से 86 पद्य

भाग 'ख'

(अभिज्ञानशाकुन्तलम्)

अन्विति 1 प्रथम एवं चतुर्थ अङ्क

अन्विति 2 पञ्चम अङ्क एवं सप्तम अङ्क
(अवशिष्ट अंशों का द्रुतवाचन)

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' की दोनों अन्वितियों से एक-एक पद्य का अनुवाद	5 x 2 = 10
(ii)	भाग 'क' की दोनों अन्वितियों से एक-एक पद्य / अंश की हिन्दी व्याख्या (जिनमें से एक व्याख्या संस्कृत में)	6x2 =12
(iii)	भाग 'क' से एक विवेचनात्मक प्रश्न	10
(iv)	भाग 'ख' की दोनों अन्वितियों से एक-एक पद का अनुवाद	5 x 2 = 10
(v)	भाग 'ख' की प्रत्येक अन्विति से एक-एक अंश की सप्रसङ्ग व्याख्या	7 x 2 = 14
(vi)	भाग 'ख' से एक आलोचनात्मक प्रश्न	10
(vii)	भाग 'ख' से तीन नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक पदों पर टिप्पणी (अभिज्ञानशाकुन्तलम् के सन्दर्भ में)	3 x 3 = 9

(नोटः व्याख्येय अंश द्रुतवाचन वाले भाग से नहीं पूछे जायेंगे ।)　　　कुल अङ्क = 75

नोट – प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल-ग्रन्थ

- *अभिज्ञानशाकुन्तलम्* (कालिदास) : सुबोधचन्द्र पंत, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- *कुमारसंभवम्*, पञ्चमः सर्गः : (मल्लिनाथकृत 'संजीवनी' तथा 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित), प्रद्युम्न पाण्डेय, चौखम्बा पब्लिकेशन, दिल्ली.
  : नेमिचन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- *Abhijñānaśākuntalam of Kālidāsa* : (Ed.) Sanskrit Text, Eng. Trans. C.R. Devadhar, MLBD, Ed. M.R. Kale, MLBD, Delhi.
- *Kumārasambhava of Kālidāsa* : (Ed.) C.R. Devadhar, MLBD, Delhi.
  : (Ed.) M.R. Kale, MLBD, Delhi.

सहायक-ग्रन्थ

- त्रिपाठी, रमाकान्त : संस्कृत-नाट्य-सिद्धान्त, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी.
- द्विवेदी, काशीनाथ : अभिज्ञानशाकुन्तल : एक अध्ययन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी.
- द्विवेदी, हजारीप्रसाद : कालिदास की लालित्य योजना, राजकमल प्रकाशन दिल्ली.
- मिश्र, पङ्कज कुमार : शाकुन्तलविषयक रम्यत्व की अवधारणा, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली.
- शास्त्री, हरिदत्त : संस्कृत काव्यकार, साहित्य भण्डार, मेरठ, 1995.
- Keith, A.B. : *History of Sanskrit Literature*, also Hindi translation, MLBD, Delhi.
  : हिन्दी अनुवाद, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
- Mirashi, V.V. : *Kalidasa*, Bombay.

Paper 9 – (संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक सर्वेक्षण-II)
Critical Survey of Sanskrit Literature-II

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' लौकिक साहित्य

भाग 'ख' षड्दर्शन

भाग 'ग' साहित्यशास्त्र के षट्-सम्प्रदाय

भाग 'घ' शास्त्रों से सम्बन्धित साहित्य
(कोशग्रन्थ, चिकित्साशास्त्र एवं सङ्गीतशास्त्र)

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(लौकिक साहित्य)

अन्विति 1 संस्कृत गद्य (कथा एवं आख्यायिका)

अन्विति 2 संस्कृत पद्य (महाकाव्य एवं गीतिकाव्य)

अन्विति 3 संस्कृत नाट्य, कथासाहित्य एवं ऐतिहासिक काव्य

भाग 'ख'

(षड्दर्शन)

अन्विति 1 पूर्वमीमांसा एवं उत्तरमीमांसा (वेदान्त)

अन्विति 2 सांख्य एवं योग

अन्विति 3 न्याय एवं वैशेषिक

भाग 'ग'

(साहित्यशास्त्र के षट्-सम्प्रदाय)

अन्विति 1 रस-सम्प्रदाय एवं अलङ्कार-सम्प्रदाय

अन्विति 2 रीति-सम्प्रदाय एवं वक्रोक्ति-सम्प्रदाय

अन्विति 3 ध्वनि-सम्प्रदाय एवं औचित्य-सम्प्रदाय

भाग 'घ'

(शास्त्रों से सम्बन्धित साहित्य)

कोशग्रन्थ, चिकित्साशास्त्र एवं सङ्गीतशास्त्र

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' से उद्‌भव, विकास आदि विषय से सम्बद्ध एक आलोचनात्मक प्रश्न	10
(ii)	भाग 'क' से संस्कृत में एक लघु टिप्पणी	6
(iii)	भाग 'क' से भास, अश्वघोष, कालिदास, भवभूति, भारवि, दण्डी, सुबन्धु, बाणभट्ट, माघ, श्रीहर्ष, शूद्रक इत्यादि पर दो आलोचनात्मक लघु निबन्ध	5 x 2 = 10
(iv)	भाग 'ख' से एक आलोचनात्मक प्रश्न	10
(v)	भाग 'ख' की किन्हीं दो अन्वितियों से एक-एक लघु टिप्पणी	6 x 2 = 12
(vi)	भाग 'ग' की तीनों अन्वितियों से एक-एक लघु टिप्पणी	5 x 3 = 15
(vii)	भाग 'घ' से दो लघु टिप्पणियाँ	6 x 2 = 12

कुल अङ्क = 75

नोट – प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

- उपाध्याय, बलदेव : *भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वाराणसी, 2001.*
  : *संस्कृत-आलोचना*, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1978.
  : *संस्कृत साहित्य का इतिहास*, शारदा मन्दिर, वाराणसी, 1953.
  : *संस्कृत शास्त्रों का इतिहास.*
- द्विवेदी, पारसनाथ : *भारतीय दर्शन*, श्रीराम मेहरा एवं सन्स, आगरा, 1973.
- शर्मा,चन्द्रधर : भारतीय दर्शन आलोचनात्मक सर्वेक्षण, मोतीलाल, बनारसी दास, दिल्ली
- Chatterjee, S.C. & D.M. Dutt : *Introduction to Indian Philosophy*, Calcutta (हिन्दी अनुवाद - *भारतीय दर्शन*).
- Hiriyana, M. : *Outlines of Indian Philosophy*, MLBD, Delhi.

- Hopkins, E.W. : *The Great Epic of India*, (Reprint) Punthi Pustak, Calcutta, 1969.
- Winternitz,M : *History of Indian Literature, MLBD, Delhi.*

Paper 10 – (संस्कृतभाषानैपुण्य-II) Proficiency in Sanskrit Language-II

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क'	कारक (सिद्धान्तकौमुदी के चयनित अंशों पर आधारित)
भाग 'ख'	समास (लघुसिद्धान्तकौमुदी पर आधारित)
	स्त्रीप्रत्यय (लघुसिद्धान्तकौमुदी पर आधारित)
भाग 'ग'	वाच्य

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'
कारक (सिद्धान्तकौमुदी के चयनित अंशों पर आधारित)

अन्विति 1 प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा (532), सम्बोधने च (533), कर्तुरीप्सिततमं कर्म (535), अनभिहिते (536), कर्मणि द्वितीया (537), अकथितं च (539), अधिशीङ्स्थासां कर्म (542), अभिनिविशश्च (543), उपान्वध्याङ्वसः (544), अन्तराऽन्तरेण युक्ते (545), कर्मप्रवचनीययुक्ते द्वितीया (548), कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे (558), स्वतन्त्रः कर्ता (559), साधकतमं करणम् (560), कर्तृकरणयोस्तृतीया (561), अपवर्गे तृतीया (563), सहयुक्तेऽप्रधाने (564), येनाङ्गविकारः (565), इत्थंभूतलक्षणे (566), हेतौ (568), कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम् (569), चतुर्थी सम्प्रदाने (570), रुच्यर्थानां प्रीयमाणः (571), स्पृहेरीप्सितः (574), धारेरुत्तमर्णः (573), क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः (575), क्रुधद्रुहोरुपसृष्टयोः कर्म (576), नमःस्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च (583)

अन्विति 2 ध्रुवमपायेऽपादानम् (586), अपादाने पञ्चमी (587), भीत्रार्थानां भयहेतुः (588), पराजेरसोढः (589), वारणार्थानामीप्सितः (590), अन्तर्धौ येनादर्शनमिच्छति (591), आख्यातोपयोगे (592), जनिकर्तुः प्रकृतिः (593),

भुवः प्रभवः (594), पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम् (603), दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च (605), षष्ठी शेषे (606), षष्ठी हेतुप्रयोगे (607), सर्वनाम्नस्तृतीया च (608), अधीगर्थदयेशां कर्मणि (613), कर्तृकर्मणोः कृति (623), उभयप्राप्तौ कर्मणि (624), क्तस्य च वर्तमाने (625), कृत्यानां कर्तरि वा (629), तुल्यार्थैरतुलोपमाभ्यां तृतीयाऽन्यतरस्याम् (630), चतुर्थी चाशिष्यायुष्यमद्रभद्रकुशलसुखार्थाहितैः (631), आधारोऽधिकरणम् (632), सप्तम्यधिकरणे च (633), यस्य च भावेन भावलक्षणम् (634), यतश्च निर्धारणम् (638), पञ्चमी विभक्ते (639), साधुनिपुणाभ्यामर्चायां सप्तम्यप्रतेः (640),

नोट – उक्त सूत्रों की सोदाहरण अवगति अनिवार्य है।

भाग 'ख'
समास (लघुसिद्धान्तकौमुदी पर आधारित)

अन्विति 1 केवलसमास – सह सुपा (906), इवेन सह नित्यसमासो विभक्त्यलोपश्च (वार्त्तिक)

तत्पुरुषसमास- तत्पुरुषः(922) द्वितीया श्रितातीत–पतित–गतात्यस्त–प्राप्तापन्नैः (924), तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन (925), कर्तृकरणे कृता बहुलम् (926),चतुर्थी तदर्थार्थ–बलिहितसुख–रक्षितैः (927), पञ्चमी भयेन (928), स्तोकान्तिक–दूरार्थ–कृच्छ्राणि क्तेन (929), पञ्चम्या स्तोकादिभ्यः(930), षष्ठी (931), पूर्वाऽपराधरोत्तरमेकदेशिनैकाधिकरणे (932), अर्धं नपुंसकम् (933), सप्तमी शौण्डैः (934), दिक्संख्ये संज्ञायाम् (935), तद्धितार्थोत्तरपदसमाहारे च (936) संख्यापूर्वो द्विगुः (941), तत्पुरुषः समानाधिकरणः कर्मधारयः (948), विशेषणं विशेष्येण बहुलम् (944), उपमानानि सामान्यवचनैः (945), नञ् (946), नलोपो नञः (947), तस्मान्नुडचि (948), कुगतिप्रादयः (949), उपपदमतिङ् (954), आन्महतः समानाधिकरण–जातीययोः (959), परवल्लिङ्गं द्वन्द्वतत्पुरुषयोः (961)

अन्विति 2 **अव्ययीभावसमास-** अव्ययं विभक्तिसमीप॰ एवं अगले छः सूत्र (908–914) नदीभिश्च (915)

द्वन्द्वसमास – चार्थे द्वन्द्वः (982), द्वन्द्वे घि(984) राजदन्तादिषु परम्

(983), अजाद्यदन्तम् (985), अल्पाच्तरम् (986)

बहुव्रीहिसमास - शेषो बहुव्रीहि: (964), अनेकमन्यपदार्थे (965)

नोट - उक्त सूत्रों के साथ-साथ सम्बद्ध समस्तपदों की सिद्धियाँ ।

भाग 'ग'

(स्त्रीप्रत्यय)

अजाद्यतष्टाप् (1246), उगितश्च (1247), टिड्ढाणञ्० (1248), यञश्च (1249), षिद्गौरादिभ्यश्च (1252), वयसि प्रथमे (1253), द्विगो: (1254), वर्णादनुदात्तात्तोपधात् तो न: (1255), वोतो गुणवचनात्(1256), पुंयोगादाख्यायाम्(1258), इन्द्रवरुणभवशर्व० (1260), इतो मनुष्यजाते: (1267), यूनस्ति: (1273)

भाग 'घ

(वाच्य)

वाच्य की अवधारणा, कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य तथा भाववाच्य का स्वरूप एवं परिवर्तन के नियम [क्रियापदों, कृत्य प्रत्ययों एवं निष्ठा (क्त, क्तवतु) प्रत्ययों के सन्दर्भ में सरल वाक्यों का वाच्य-परिवर्तन]

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' की प्रत्येक अन्विति से दो-दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	5 x 4 = 20
(ii)	भाग 'क' की दोनों अन्वितियों में प्रदत्त नियमों के आधार पर चार वाक्यों में रेखाङ्कित पदों में विभक्तियों का कारण ज्ञापन(सूत्रोल्लेखपूर्वक)	2 x 4 = 8
(iii)	भाग 'ख' की दोनों अन्विति से सम्बद्ध किन्हीं पांच समस्त पदों का विग्रहोल्लेखपूर्वक सूत्रज्ञापन एवं समासनिर्देश	5 x 5 = 25
(iv)	भाग 'ग' से सम्बद्ध किन्हीं तीन स्त्रीप्रत्ययान्त शब्दों में सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रत्ययज्ञापन	2 x 3 = 6
(v)	भाग 'ग' से सम्बद्ध दो सूत्रों की व्याख्या	3 x 2 = 6
(v)	भाग 'घ' की अन्विति से पाँच वाक्यों में वाच्यपरिवर्तन	2 x5 = 10

कुल अङ्क = 75

नोट – प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

- नौटियाल, चक्रधर 'हंस' : बृहद्-अनुवाद-चन्द्रिका, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- पाण्डेय, राधामोहन : *संस्कृत सहचर*, स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स, पटना.
- शास्त्री, आचार्य राम : *संस्कृत शिक्षण-सरणी*, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली.
- शास्त्री, धरानन्द : *लघुसिद्धान्तकौमुदी*, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, दिल्ली.
- शास्त्री, भीमसेन : *लघुसिद्धान्तकौमुदी*, भैमीव्याख्या (भाग 3-6), भैमीप्रकाशन, दिल्ली.
- शास्त्री, चारुदेव : *व्याकरणचन्द्रोदय* (खण्ड-1, 2, 3), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- Apte, V.S. : *The Students' Guide to Sanskrit Composition*, Chowkhamba Sanskrit Series, Varanasi. Hindi Translation also available
- Kale, M.R. : *Higher Sanskrit Grammar*, MLBD, Delhi.

  Hindi Translation also available
- Kanshiram : *Laghusiddhāntakaumudī* (Vol. 1), MLBD, Delhi, 2009.

Paper 11

Concurrent - Interdisciplinary

Semester - IV

Paper 12 –(राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र)
Nationalism and Indian Polity

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क'	राष्ट्रवाद - परिभाषा और स्वरूप : राष्ट्र की संकल्पना, भारत राष्ट्र की उद्भावना और भारतीय राष्ट्रवाद की विशेषताएं
भाग 'ख'	संस्कृत साहित्य और राष्ट्रीय संचेतना : प्राचीन साहित्य और आधुनिक साहित्य
भाग 'ग'	भारतीय राजशास्त्र : स्वरूप और सैद्धान्तिक विकासक्रम
भाग 'घ'	भारतीय राजशास्त्र के प्रमुख अध्ययनग्रन्थ : वैदिक राजशास्त्र और सैद्धान्तिक राजशास्त्र

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(राष्ट्रवाद : परिभाषा और स्वरूप)

अन्विति 1 राष्ट्र की संकल्पना (निर्वचन, परिभाषा और विधायक तत्त्व), राष्ट्रीयता की अवधारणा और उसके सहायक तत्त्व (राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रप्रेम, सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय प्रतीकचिह्न, स्वाधीनता, स्वाभिमान, नागरिकता आदि)।

अन्विति 2 भारत राष्ट्र की वैदिककालीन उद्भावना, 'भारतवर्ष' नामकरण का प्राचीन इतिहास, भारतीय राष्ट्रवाद का क्रमिक विकास, भारतीय राष्ट्रवाद की विशेषताएँ (धार्मिक सहिष्णुता और सद्भावना, भाषाई विविधता, समन्वयवादी दृष्टिकोण, मानवतावाद, सांस्कृतिक पहचान एवं पर्यावरण-संचेतना) ।

भाग 'ख'

(संस्कृत साहित्य और राष्ट्रीय संचेतना)

(भारतीय राष्ट्रवाद के परिचयात्मक अध्ययन-ग्रन्थों और निर्दिष्ट रचनाकारों से सम्बद्ध समीक्षात्मक प्रश्नोत्तर ही अपेक्षित हैं, अनुवाद, व्याख्या आदि नहीं) ।

अन्विति 1 प्राचीन साहित्य - शुक्लयजुर्वेद (22.22), अथर्ववेद (12.1.1-2), वाल्मीकिरामायण (किष्किन्धाकाण्ड, सर्ग 46, 47, 48), विष्णुपुराण (2.3)।

अन्विति 2 आधुनिक साहित्य - अम्बिकादत्त व्यास (शिवराजविजय:), पण्डिता क्षमाराव (सत्याग्रहगीता), मथुराप्रसाद दीक्षित (भारतविजयनाटकम्), चारुदेव शास्त्री (गांधीचरितम्) ।

भाग 'ग'

(भारतीय राजशास्त्र : स्वरूप, महत्त्व और सैद्धान्तिक विकास)

अन्विति 1 भारतीय राजशास्त्र का स्वरूप - राजशास्त्र के विविध पारिभाषिक नाम, दण्डनीति अथवा राजधर्म के रूप में उसका महत्त्व, भारतीय राजशास्त्र के प्रमुख विचारक : कौटिल्य, भीष्म पितामह, मनु, शुक्राचार्य एवं सोमदेव सूरि ।

अन्विति 2 सैद्धान्तिक विकासक्रम - वैदिककालीन राष्ट्र, सभा और समिति; उत्तरवैदिककालीन शासन-प्रणालियां - साम्राज्य, भोज्य, स्वाराज्य, वैराज्य एवं राज्य; बौद्धयुगीन गणराज्यों की शासन-प्रणालियां; आधुनिक गांधीवादी राजनीतिक विचार; भारतीय राजशास्त्र के विधायक तत्त्व - सप्तांगराज्य; चतुर्विध उपाय, त्रिविध शक्ति, षाड्गुण्यसिद्धान्त इत्यादि।

भाग 'घ'

(भारतीय राजशास्त्र के प्रमुख अध्ययन-ग्रन्थ)

(भारतीय राजशास्त्र के परिचयात्मक अध्ययन-ग्रन्थों के सन्दर्भों से समीक्षात्मक प्रश्नोत्तर ही अपेक्षित हैं, अनुवाद, व्याख्या आदि नहीं)

अन्विति 1 वैदिक राजशास्त्र - ऋग्वेद 10.173, 10.174; अथर्ववेद 6.87, 7.13; शतपथब्राह्मण (माध्यन्दिन) 5.1.1.8-13 ('स यो वाजपेयेन यजते' से 'राज्यं परं साम्राज्यम्' तक), 9.4.1.1-5 ('अथातो राष्ट्रभृतो जुहोति' से 'भवन्ति तस्योक्तो बन्धु:' तक); ऐतरेयब्राह्मण - अष्टम पंचिका, चतुर्थ अध्याय 15-16 ('स य इच्छेदेवंवित्क्षत्रियमयं सर्वा' से 'सेनान्यमेवास्मिंस्तद्दधाति' तक)

अन्विति 2 सैद्धान्तिक राजशास्त्र - कौटिलीय अर्थशास्त्र 1.4.1-19 (दण्डनीतिप्रकरण); महाभारत-शान्तिपर्व, अध्याय-120.1-35 (राजधर्मवर्णन); मनुस्मृति - अध्याय 7.1-35 (राजधर्मनिरूपण); शुक्रनीति - 1.1-20 (नीतिशास्त्रप्रशंसा); नीतिवाक्यामृत - दण्डनीतिसमुद्देश-9 एवं जनपदसमुद्देश-19.1-10; गान्धीगीता (इन्द्र रचित) - अध्याय 5.1-25 (सत्याग्रहनिरूपण)

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i) भाग 'क' की प्रथम अन्विति में निर्दिष्ट विषयों से सम्बद्ध दो टिप्पणियां 4+4 = 8

(ii) भाग 'क' की द्वितीय अन्विति में निर्दिष्ट विषयों से सम्बद्ध एक प्रश्न एवं एक टिप्पणी 7+3 = 10

(iii) भाग 'ख' की प्रथम अन्विति के पठितांश के आधार पर दो टिप्पणियां 3+3 = 6

(iv) भाग 'ख' की द्वितीय अन्विति में पठितांश के आधार पर एक प्रश्न एवं एक टिप्पणी 7+4 = 11

(v) भाग 'ग' की प्रथम अन्विति में निर्दिष्ट विषयों से सम्बद्ध एक प्रश्न एवं एक टिप्पणी 6+4 = 10

(vi) भाग 'ग' की द्वितीय अन्विति में पठितांश पर आधारित एक प्रश्न एवं एक टिप्पणी 6+4 = 10

(vii) भाग 'घ' की प्रथम अन्विति में निर्दिष्ट विषयों से सम्बद्ध एक प्रश्न एवं एक टिप्पणी 6+4 = 10

(viii) भाग 'घ' की द्वितीय अन्विति में पठितांश पर आधारित एक प्रश्न एवं एक टिप्पणी 6+4 = 10

कुल अङ्क = 75

नोट – प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रन्थ

- *ऐतरेयब्राह्मण* – गंगा प्रसाद उपाध्याय, प्रयाग, संवत् 2006.
- *कौटिलीय अर्थशास्त्र* – हिन्दी अनुवाद सहित, उदयवीर शास्त्री, मेहरचन्द लछमन दास, दिल्ली, 1968.
- *गान्धीगीता* – इन्द्र, हिन्दी अनुवाद सहित, राजहंस प्रकाशन, दिल्ली, 1949.

- *नीतिवाक्यामृतम्* – सोमदेवसूरि विरचित, (व्या०) रामचन्द्र मालवीय, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1972.
- *भारतविजयनाटकम्* – मथुराप्रसाद दीक्षित, मोतीलाल बनारसीदास, 1947.
- *महाभारत* (1–6 भाग) – हिन्दी अनुवाद सहित, (अनु०) रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय, गीताप्रेस, गोरखपुर.
- *मनुस्मृति* (1–13 भाग) – (सम्पा० एवं व्या०) उर्मिला रुस्तगी, जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2005.
- *विष्णुपुराण* – हिन्दी अनुवाद सहित, (अनु०) मुलिलाल गुप्त, गीताप्रेस, गोरखपुर.
- *शतपथब्राह्मण* (1–5 भाग) (माध्यन्दिनीय शाखा) – सायणाचार्य एवं हरिस्वामी टीकासहित, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1987.
- *शिवराजविजय:* – अम्बिकादत्त व्यास, काशी, 1969.
- *शुक्रनीति* – हिन्दी अनुवाद, ब्रह्मशंकर मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 1968.
- *सत्याग्रहगीता* – पण्डिता क्षमाराव, पेरिस, 1932.
- *श्रीगांधीचरितम्* – चारुदेव शास्त्री, देववाणी परिषद्, दिल्ली, 1989.
- *श्रीमद्वाल्मीकिरामायण* (1–2 भाग) – हिन्दी अनुवाद सहित, (सम्पा०) जानकी नाथ शर्मा, गीताप्रेस, गोरखपुर.
- *Aitareya Brāhmaṇa* (2 Vols) – (ed. and trans.) M. Haug, Varanasi, 1976-77, Re-edited by S. Jain, New Bhartiya Book Corporation, Delhi, 2003.
- *Atharvaveda Saṁhitā* (2 Vols) – (Trans.) R.T.H. Griffith, Banaras, 1896-97, rept. 1968.
- *Mahābhārata* (7 Vols) – (Eng. Tr.) H.P. Shastri, London, 1952-59.
- *Ṛgveda Saṁhitā* (6 Vols) – (Eng. Tr.) H.H. Wilson, Bangalore Printing & Publishing Co., Bangalore, 1946.

- *Śatapatha Brāhmaṇa* (3 Vols) – (with Eng. trans. ed.) Jeet Ram Bhatt, Eastern Book Linkers, Delhi, 2009.
- *The Rāmāyaṇa of Vālmīki* (3 Vols) – (Eng. Tr.) H.P. Shastri, London, 1952-59.
- *Viṣṇu Purāṇa* – (Eng. Tr.) H.H. Wilson, Punthi Pustak, reprint, Calcutta, 1961.
- *Yajurveda Saṁhitā* – (Eng. Tr.) R.T.H. Griffith, Benaras, 1899, rept. 1976.

सहायक ग्रन्थ

- कपूर, अनूप चन्द – *राजनीतिविज्ञान के सिद्धान्त*, प्रीमियर पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1967.
- काणे, पी.वी. – *धर्मशास्त्र का इतिहास* (1-4 भाग) (अनुवादक) अर्जुन चौबे काश्यप, हिन्दी समिति, लखनऊ, 1966-73.
- कुमार, पुष्पेन्द्र (सम्पा०) – *पुराणों में राष्ट्रीय एकता*, (सम्पा०) नाग प्रकाशन, दिल्ली.
- गार्नर, जे.डब्ल्यू. – *राज्यविज्ञान और शासन*, (अनु०) रामनारायण यादवेन्दु, आगरा, 1972.
- घिल्डियाल, अच्युतानन्द – *प्राचीन भारतीय आर्थिक विचारक*, वाराणसी, 1972.
- ठाकुर, आद्यादत्त – *वेदों में भारतीय संस्कृति*, हिन्दी समिति, लखनऊ, 1967.
- तिवारी, मोहन चन्द – *अष्टाचक्रा अयोध्या : इतिहास और परम्परा*, उत्तरायण प्रकाशन, दिल्ली, 2006.
- तिवारी, शशि – *राष्ट्रीयता एवं भारतीय साहित्य*, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2007.
- दीक्षित, प्रेमकुमारी – *प्राचीन भारत में अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध*, उत्तर प्रदेश, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, लखनऊ, 1977.

- दीक्षित, हरिनारायण – *संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना*, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2006.
- नाटाणी, प्रकाश नारायण – *प्राचीन भारत के राजनीतिक विचारक*, पोइन्टर पब्लिशर्स, जयपुर, 2002.
- नारायण, इकबाल – *आधुनिक राजनीतिक विचारधाराएं*, ग्रन्थ विकास, जयपुर, 2001.
- मोहनचन्द – *जैन संस्कृत महाकाव्यों में भारतीय समाज*, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 1989.
- राय, बाबू गुलाब – *राष्ट्रीयता*, किताब घर, दिल्ली, 1996.
- राय, सत्या एम. – *भारत में उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद*, दिल्ली, 1983.
- वर्मा, एस.एल. – *उच्चतर राजनीतिक चिन्तन*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली–जयपुर, 2007.
- वाजपेयी, अम्बिका प्रसाद – *हिन्दू राज्य शास्त्र*, प्रयाग, संवत् 2006.
- विद्यालंकार, सत्यकेतु – *प्राचीन भारतीय शासनव्यवस्था और राजशास्त्र*, सरस्वती सदन, मसूरी, 1968.
  – *प्राचीन भारत की शासन संस्थाएं और राजनीतिक विचार*, श्री सरस्वती सदन, दिल्ली, 1989.
- वेदवती वैदिक – *उपनिषद्युगीन संस्कृति*, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली, 2002.
- सिंह, वी.पी. – *राजनीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त*, आरा, अष्टम संस्करण, 1973.
- स्वामी, योगेन्द्र (सम्पा०) – *राष्ट्रीय एकता और भारतीय साहित्य काशी अधिवेशन स्मृति ग्रन्थ*, (सम्पा०) अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, 2001.
- Altekar, A.S. – *State and Government in Ancient India*, Motilal Banarsidass, Delhi, Reprint 2001.

- Ganguli, D.K. – *Aspects of Ancient Indian Administration*, Abhinav Publication, Delhi, 1979.
- Ghosal, U.N. – *A History of Indian Political Ideas*, Bombay, 1959.
- Jayaswal, K.P. – *Hindu Polity*, Bangalore, 1967.
- Law, N.S. – *Aspect of Ancient Indian Polity*, Calcutta, 1960.
- Prasad, Beni – *Theory of Government in Ancient India*, Allahabad, 1968.
- Sharma, R.S. – *Aspects of Political Ideas and Institutions in Ancient India*, Motilal Banarsidass, Delhi, 1996.
- Singh, G.P. & Singh, S. – *Kingship in Ancient India: Genesis and Growth*, Premananda Akansha Publishing House, Delhi, 2000.
- Sinha, K.N. – *Sovernity in Ancient Indian Polity*, London, 1938.
- Verma, V.P. – *Studies in Hindu Political Thought and its Metaphysical Foundations*, Delhi, 1954.

Paper 13 – (संस्कृत साहित्य-IV) Sanskrit Literature-IV

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' **किरातार्जुनीयम्, प्रथम सर्ग - 1-30 पद्य** (भारवि)

भाग 'ख' **मुद्राराक्षसम्** (विशाखदत्त)

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(किरातार्जुनीयम्)

अन्विति - प्रथम सर्ग - 1-30 पद्य

भाग 'ख'

(मुद्राराक्षसम्)

अन्विति 1 प्रथम एवं द्वितीय अङ्क

अन्विति 2 तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम अङ्क
(अवशिष्ट अंशों का द्रुतवाचन)

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' से दो पद्यों की व्याख्या	5 x 2 = 10
(ii)	भाग 'क' से एक पद्य / अंश की संस्कृत व्याख्या	8
(iii)	भाग 'क' से एक विवेचनात्मक प्रश्न	10
(iv)	भाग 'ख' की प्रत्येक अन्विति से एक-एक पद्य का अनुवाद	6 x 2 = 12
(v)	भाग 'ख' की प्रत्येक अन्विति से एक-एक पद्य/अंश की सप्रसंग व्याख्या	8 x 2 = 16
(vi)	भाग 'ख' से एक आलोचनात्मक प्रश्न	10
(vii)	भाग 'ख' से तीन नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक पदों पर टिप्पणी (मुद्राराक्षस के सन्दर्भ में)	3 x 3 = 9
	कुल अङ्क	**= 75**

नोट - व्याख्येय अंश द्रुतवाचन वाले भाग से नहीं पूछे जायेंगे ।

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल-ग्रन्थ

- *किरातार्जुनीयम् (भारवि) (प्रथमः सर्गः)*
  - मल्लिनाथ कृत 'सर्वंकषा' संस्कृत व्याख्या एवं बदरीनारायण मिश्र कृत हिन्दी व्याख्या सहित, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी.
  - समीर शर्मा, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी.
  - जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- *मुद्राराक्षस (विशाखदत्त)*
  - जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी.
  - (व्या.) निरूपण विद्यालंकार, मेरठ
  - (व्या०) परमेश्वरदीन पाण्डेय एवं अवनिकुमार पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी.

	–	(व्या.) रमाशंकर त्रिपाठी, वाराणसी
	–	(व्या.) पुष्पा गुप्ता, दिल्ली.
• Kirātārjunīyam of Bhāravī	–	(Ed.) M.R. Kale, MLBD, Delhi.
• Mudrārākṣasa of Viśākhadatta	–	(Ed.) M.R. Kale, MLBD, Delhi.
	–	(Ed.) K.T.Telang, Nag Publishers, Delhi.

सहायक-ग्रन्थ

- उपाध्याय, बलदेव – *संस्कृत साहित्य का इतिहास,* शारदा निकेतन, वाराणसी, 1975.
- उपाध्याय, रामजी – *संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास,* चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1993.
- काणे, पी०वी० – *संस्कृत साहित्य का इतिहास,* मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1966.
- Keith, A.B. – *History of Sanskrit Literature*, also Hindi translation, MLBD, Delhi.
- Macdonell, A.A. – *History of Sanskrit Literature*, MLBD, Delhi.

Paper 14 – (भारतीय वैज्ञानिक निधि)Indian Scientific Heritage

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' भारतीय मनोविज्ञान (Indian Psychology)

भाग 'ख' तनाव-प्रबन्धन (Stress - Management)

भाग 'ग' जलवायु-विज्ञान (Climatology)

भाग 'घ' जल-संसाधनों का प्रबन्धन (Water-Resource Management)

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(भारतीय मनोविज्ञान : परिचयात्मक पृष्ठभूमि)

अन्विति 1 भारतीय मनोविज्ञान : प्राच्य-विद्या की एक आधुनिक विकसनशील अध्ययन-शाखा ।

भारतीय मनोविज्ञान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : वेद-उपनिषदों में मनोविज्ञान, महाभारत-गीता में मनोविज्ञान, भारतीय दर्शनों में मनोविज्ञान ।

अन्विति 2 चित्तवृत्तियों का स्वरूप : चित्तवृत्ति-निरूपण
मानसिक अशान्ति : विक्षेप-निरूपण, पञ्च क्लेश

भाग 'ख'

(तनावप्रबन्धन : पातञ्जल योगसूत्रों के परिप्रेक्ष्य में)

अन्विति 1 मनोनुशासन सूत्र - पातंजल योगसूत्र - समाधिपाद - 1.1, 1.2, 1.5, 1.12, 1.13, 1.15, 1.23, तनावविषयक सूत्र-1.30, 1.31, 1.32

अन्विति 2 तनावमुक्ति के यौगिक उपाय एवं विशेष क्रियायोगसूत्र- समाधिपाद- 1.33, 1.34, 1.35, 1.37, साधनपाद- 2.1, 2.3, 2.11, 2.16, 2.27, 2.29

भाग 'ग'

(जलवायु-विज्ञान एवं मौसम की भविष्यवाणी)

अन्विति 1 प्राचीन भारत में जलवायु-विज्ञान की संकल्पना : नामकरण और उसका प्राचीन इतिहास, वैदिक काल में ऋतुविज्ञान, संवत्सरचक्र और वृष्टिविज्ञान, वराहमिहिर की बृहत्संहिता में जलवायुविज्ञान, भद्रबाहुसंहिता में जलवायुविज्ञान, मधुसूदन ओझा विरचित 'कादम्बिनी' में मेघवृष्टिसम्बन्धी पूर्वानुमान।

अन्विति 2 जलवायु-विज्ञानसम्बन्धी शास्त्रीय संदर्भ: बृहत्संहिता 21.1-2 (वृष्टिगर्भलक्षण), 28.1-5 (सद्योवृष्टिलक्षण); भद्रबाहु-संहिता 9.1-15 (वायुपरीक्षण); कादम्बिनी - 592-612 (द्वादशमासीय वर्षा का पूर्वानुमान)

भाग 'घ'

(जल-संसाधनों का प्रबन्धन एवं संचयन)

अन्विति 1 प्राचीन भारत में जल-प्रबन्धन एवं जल-संचयन-प्रणाली का इतिहास,
सिन्धुघाटी की सभ्यता में जल-प्रबन्धन, वैदिक संहिताओं में जल-विज्ञान एवं जल-प्रबन्धन, कौटिल्य के अर्थशास्त्र में जल-प्रबन्धन, वराहमिहिर की बृहत्संहिता में जल-विज्ञान, महाभारत में जल-संसाधनों के संरक्षण की प्रशंसा

अन्विति 2	जल -प्रबन्धन-सम्बन्धी शास्त्रीय-संदर्भ - ऋग्वेद-10.9 (आपो देवता सूक्त); कौटिलीय अर्थशास्त्र-2.1.20-24, 3.9.29-38, 7.12.4-5; महाभारत-अनुशासन पर्व-अध्याय-96 (गीता प्रेस गोरखपुर संस्करण के 15 पद्य 'संस्कृतानां तटाकानां' से 'तस्माद् दातव्यमेव हि' तक); बृहत्संहिता-दकार्गल अध्याय- 54.1-10

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग-क की प्रथम अन्विति में निर्दिष्ट विषयों से सम्बद्ध दो टिप्पणियाँ	3+3=6
(ii)	भाग-क की द्वितीय अन्विति में निर्दिष्ट विषयों से सम्बद्ध दो टिप्पणी	4+4=8
(iii)	भाग-ख की प्रथम अन्विति में निर्दिष्ट सूत्रों में से दो सूत्रों की व्याख्या	5+5=10
(iv)	भाग-ख की द्वितीय अन्विति में निर्दिष्ट सूत्रों में से दो सूत्रों की व्याख्या	5+5=10
(v)	भाग-ग की प्रथम अन्विति में निर्दिष्ट विषयों से सम्बद्ध दो टिप्पणियाँ	3+3=6
(vi)	भाग-ग की द्वितीय अन्विति में निर्दिष्ट शास्त्रीय संदर्भों से सम्बद्ध एक प्रश्न एवं एक टिप्पणी	7+4=11
(vii)	भाग-घ की प्रथम अन्विति में निर्दिष्ट विषयों से सम्बद्ध एक दीर्घ प्रश्न एवं एक टिप्पणी	8+4=12
(viii)	भाग-घ की द्वितीय अन्विति में निर्दिष्ट शास्त्रीय संदर्भों से सम्बद्ध एक दीर्घ प्रश्न एवं एक टिप्पणी	8+4=12

कुल अंक = 75

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रन्थ

- *अभिनवमनोविज्ञानम्* – प्रभुदयाल अग्निहोत्री, सम्पूर्णानन्द ग्रन्थमाला-6, वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, 1965.
- *अर्वाचीनं मनोविज्ञानम्* – मामराजदत्त कपिल, सम्पूर्णानन्द ग्रन्थमाला-3, वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, 1964.

- *कादम्बिनी* – मधुसूदन ओझा कृत, हिन्दी अनुवाद सहित, (सम्पा०) प्रद्युम्न शर्मा ओझा, जयपुर, वि० संवत् 1999.
- *कौटिलीय अर्थशास्त्र* – (सम्पा०) आर.पी. कांगले, युनिवर्सिटी ऑफ बॉम्बे, 1960; हिन्दी अनुवाद – उदयवीर शास्त्री, मेहरचन्द लछमनदास, दिल्ली, 1968.
- *पातञ्जलयोगदर्शन* – व्यासभाष्य संकलित, हिन्दी व्याख्या सहित, सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव्य शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1993.
- *बृहत्संहिता* – वराहमिहिरकृत, हिन्दी अनुवाद – बलदेव प्रसाद मिश्र, खेमराज श्रीकृष्ण दास प्रकाशन, मुम्बई.
- *भद्रबाहुसंहिता* – भद्रबाहुकृत, (सम्पा० एवं हिन्दी अनुवाद) नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 1991.
- *महाभारत* (भाग-6) – अनुशासनपर्व (हिन्दी अनु०) रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय, गीता प्रेस, गोरखपुर.
- *Yogasūtra* (with maṇiprabha) – (Ed.) Mohan Chand, Eastern Book Linkers, Delhi, 1987.

सहायक ग्रन्थ

- गुप्ता, रामेश्वर दयाल – *वैदिक वाङ्मय में विज्ञान*, सान्दीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, 1997.
- द्विवेदी, रमेश – *प्राचीन भारत में मौसमविज्ञान*, मारुति प्रकाशन, मेरठ.
- द्राविड़, नारायण शास्त्री (सम्पा०) – *भारतीय मनोविज्ञान*, अखिल भारतीय दर्शन परिषद्, पंजाब, 1963.
- त्रिपाठी, धुनीराम – *प्राच्यभारतीयम् ऋतु-विज्ञानम्*, सरस्वती भवन अध्ययनमाला-19, वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, 1971.

- नवलता – *संस्कृत-साहित्ये जलविज्ञानम्,* नाग पब्लिशर्स, दिल्ली, 2004.
- पंडित, मनोहर देवकृष्ण – *प्राचीन भारतीय जलशास्त्र,* संस्कृत प्रगत अध्ययन केन्द्र, पुणे विद्यापीठ, 1990.
- पाण्डेय, अनिल कुमार, वी.के. दुबे एवं नीलम पाण्डेय – *प्राचीन भारत में कृषिविज्ञान,* भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, दिल्ली, 2000.
- बनर्जी, रमेश चन्द्र एवं दयाशंकर उपाध्याय – *मौसमविज्ञान,* राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1991.
- मार्गन, सी.टी. (मूल लेखक) – *मनोविज्ञान,* (हिन्दी अनु०) निर्मल शर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, 1971.
- राव, ए० वेंदोबा (सम्पा०) – *मनोविकार चिकित्सा की पाठ्यपुस्तक,* हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ, 1983.
- सत्यप्रकाश – *वैज्ञानिक विकास की भारतीय परम्परा,* पटना, 1954.
- सिन्हा, यदुनाथ (मूल लेखक) – *मनोविज्ञान,* (हिन्दी अनु०) गोवर्धन प्रसाद भट्ट, आगरा, 1960.
- सेमवाल, श्रीकृष्ण (सम्पा०) – *संस्कृतवाङ्मये कृषिविज्ञानम्,* दिल्ली संस्कृत अकादमी, 2006-08.
  – *संस्कृत वाङ्मय में जलविज्ञान,* दिल्ली संस्कृत अकादमी, 2006-07.
- Berry, John W., R.C. Mishra and R.C. Tripathi – *Psychology in Human and Social Development*, Saga Publication, Delhi, 2003.
- Kuvalayanand, Swami and S.L. Vinekar – *Yogic Theraphy*, Central Health Education Bureau, Ministry of Health, Delhi, 1963.
- Majumdar, A.K. – *Concise History of Ancient India* (Vol. II), Munshiram Manoharlal, Delhi, 1980.
- Moore, Charles A. (ed.) – *The Indain Mind*, University of Hawaii, Honolulu, 1967.
- Ramanathan, A.S. – *Weather Science in Ancient India*, Rajasthan Patrika, Jaipur, 1993.

- Rao, K.R. and A. Pranjpe (ed.) – *Handbook of Indian Psychology*, Cambridge University Press, 2008.
- Reat, N. Rose – *Origin of Indian Psychology*, Asian Humanities Press, 1951.
- Sinha, Jadunath – *Indian Psychology* (3 Vols.), Eastern Book Corporation, Delhi, 2009.
- Taurasa, Nicola M. – *How to Benefit from Stress*, Hidden Valley Press, Frederick, Maryland, 1979.
- Woods, James Haughton – *The Yoga System of Patanjali*, MLBD, Delhi, 1983.

Paper 15
Concurrent - Discipline Centred I

Semester - V
Paper 16 – (वैदिक वाङ्मय) Vedic Literature

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' **ऋग्वेद** 1/1, 1/81, 3/61, 10/34, 10/121
यजुर्वेद 34/1-6, **अथर्व०** 3/30, 12/1-12
शतपथ ब्राह्मण 11.3.1

भाग 'ख' **वैदिक व्याकरण** - नामरूप, धातुरूप, लकार, तुमर्थक प्रत्यय, क्त्वार्थक प्रत्यय, वैदिक स्वर

भाग 'ग' **उपनिषद् - कठ**

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

अन्विति 1 ऋग्वेद - अग्नि 1.1, इन्द्र 1.81, उषा 3.61, अक्ष 10.34, हिरण्यगर्भ 10.121, संज्ञान 10.191

अन्विति 2 यजुर्वेद - शिवसङ्कल्प 34.1-6,
अथर्ववेद - सामनस्यम् 3.30, भूमि 12.1-12,
शतपथ ब्राह्मण - अग्निहोत्रावयवोपासना 11/3/1

भाग 'ख'

अन्विति 1 नामरूप, धातुरूप, लकार, तुमर्थक प्रत्यय, क्त्वार्थक प्रत्यय, वैदिक स्वर

भाग 'ग'

अन्विति 1 कठोपनिषद्, प्रथम अध्याय

अन्विति 2 कठोपनिषद्, द्वितीय अध्याय

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन (Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' की प्रत्येक अन्विति से एक-एक मन्त्र की व्याख्या	8 x 2 = 16
(ii)	भाग 'क' की अन्विति 2 से एक मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या	7
(iii)	भाग 'क' की अन्विति 1 से देवता अथवा सूक्तविषयक एक प्रश्न	10
(iv)	भाग 'ख' से सम्बद्ध दो लघु प्रश्न/टिप्पणियाँ	5 x 2 = 10
(v)	भाग 'क' की अन्विति 1 से एक मन्त्र का पदपाठ	6
(vi)	भाग 'ग' की प्रत्येक अन्विति से एक-एक व्याख्या	8 x 2 = 16
(vii)	भाग 'ग' से एक सामान्य प्रश्न	10
	कुल अङ्क	**= 75**

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

- *ऋग्वेदसंहिता* : (सायणाचार्यकृत भाष्य एवं हिन्दी व्याख्या सहित) रामगोविन्द त्रिवेदी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली.
- *कठोपनिषद्* : (शाङ्करभाष्य एवं 'प्रकाश', हिन्दी टीका सहित व्याख्या) सुरेन्द्रदेव शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली.
  : सन्दर्भ, अन्वय, शाब्दिक अर्थ, शाङ्करभाष्य, स्पष्टीकरण एवं टिप्पणी सहित, पुष्पा गुप्ता, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी.
- *वैदिकसंग्रहः* : कृष्णलाल, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली.

• *शुक्लयजुर्वेदसंहिता*	:	(पदपाठ, उव्वट-महीधर भाष्य संवलित 'तत्त्वबोधिनी' हिन्दी व्याख्या सहित), रामकृष्ण शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली.
• *Atharvaveda* (Śaunakiya)	:	(Ed.) Vishva Bandhu, VVRI, Hoshiharpur, 1960.
• *Ṛksūktaśatī*	:	H.O. Velankar, Vaidika Saṃśodhana Maṇḍala, Pune, 1965.
• *Ṛksūktavaijayantī*	:	H.D. Velankar, Bharatiya Vidya Bhavan, Bombay, 1972.
• *Śatapatha Brāhmana*	:	(Ed.) Ganga Prasad Upadhyaya, SLBSRS Vidyāpeeth, Delhi.
• *Śuklayajurveda-Saṃhitā* (Vājasaneyī-Mādhyandina)	:	(Ed.) Jagadish Lal Shastri, MLBD, Delhi, 1978.

Paper 17 – (न्याय : सत्तामीमांसा, ज्ञानमीमांसा एवं तर्कशास्त्र)

Reasoning: Ontology, Epistemology & Logic

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' **तर्कसङ्ग्रह** (अन्नम्भट्ट)

भाग 'ख' भारतीय दर्शन में **तर्कमीमांसा**

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(तर्कसङ्ग्रह) अन्नम्भट्टविरचित

अन्विति 1 आरम्भ से शब्दनिरूपण तक

अन्विति 2 बुद्धिनिरूपण (ज्ञान, स्मृति, अनुभव - यथार्थ एवं अयथार्थ, कारण, करण, प्रमाण, प्रमाणभेद, आदि)

अन्विति 3 सुखनिरूपण से ग्रन्थान्तपर्यन्त

भाग 'ख'

(भारतीय दर्शन में तर्कमीमांसा)

अन्विति 1 भारतीय दर्शन में तर्क का स्वरूप

अन्विति 2 तर्कभेद (व्याघात, आत्माश्रय, अन्योन्याश्रय या इतरेतराश्रय, चक्रक, अनवस्था, प्रतिबन्धि-कल्पना, कल्पनागौरव, कल्पनालाघव, उत्सर्ग, अपवाद, वैजात्य, केवलानिष्टप्रसङ्ग)

अन्विति 3 तर्काङ्ग (व्याप्ति, तर्काप्रतिहति, विपर्यय में पर्यवसान, अनिष्ट तथा अनुकूलता) एवं तर्काभास (मिथोविरोध, मूलशैथिल्य, इष्टापादन, अनुकूलत्व, विपर्ययापर्यवसान एवं तर्काङ्गों के अभाव से होने वाले तर्काभास)

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' की प्रत्येक अन्विति से एक-एक लघु टिप्पणी	6 x 3 = 18
(ii)	भाग 'क' की किसी एक अन्विति से संस्कृत में टिप्पणी	7
(iii)	भाग 'क' की द्वितीय एवं तृतीय अन्विति से एक-एक लघु प्रश्न	9 x 2 = 18

(iv) भाग 'क' की किन्हीं दो अन्वितियों से प्रदत्त अंश की व्याख्या 6 x 2 = 12

(v) भाग 'ख' से एक विवेचनात्मक प्रश्न 10

(vi) भाग 'ख' की दो भिन्न अन्वितियों से एक-एक टिप्पणी 5 x 2 = 10

कुल अङ्क = 75

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल-ग्रन्थ

- *तर्कसङ्ग्रह* (अन्नंभट्ट) : (दीपिका सहित) (व्या०) दयानन्द भार्गव, मोतीलाल बनारसीदास, 1992
  : (दीपिका सहित) कांशीराम एवं सन्ध्या राठौर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2007.
  : (दीपिकासहित तन्वी व्याख्या) पंकज कुमार मिश्र, परिमल प्रकाशन दिल्ली.
  : (with Dīpikā & Nyāyabodhini), (Ed. & Tr.) Athalye & Bodas, Mumbai, 1930.
  : (with Dīpikā), (Ed. & Tr.) Virupakshananda, Sri Ramkrishna Nath, Madras, 1994.
  : *Primer of Indian Logic,* Kuppuswami Shastri
  : Gopi Nath Bhattacharya, Progressive Publishers, Calcutta.

सहायक-ग्रन्थ

- कुमार, शशिप्रभा : वैशेषिक दर्शन में पदार्थनिरूपण, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1992
- वेदालङ्कार, जयदेव : *भारतीय दर्शन,* न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली, 2001.
- शर्मा, ब्रजनारायण : *भारतीय दर्शन में अनुमान, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल, 1973.*
- शास्त्री, धर्मेन्द्रनाथ : *न्यायवैशेषिक,* मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1968.
- शुक्ल, बलिराम : *अनुमान-प्रमाण, ईस्टर्न बुक लिंकर्स ,* दिल्ली.

- Cheterjee, S.C. : *Nyaya Theory of Knowledege, Calcutta.*
- Dasgupta, S.N. : *A History of Indian Philosophy*, M.L.B.D., Delhi,1975 (Also Hindi Translation by Kalanath & Sudhir Kumar, Rajasthan Hindi Grantha Academy, 1978)
- Hiriyanna, M. : *Outlines of Indian Philosophy*, London, George Allen & Unwin Ltd., 1967
- Mishra, Umesh : *History of Indian Philosophy*, Vol. 2, Nyāya-Vaiśeṣika, Tribhukti Prakashan, Allahabad, 1966
- Pandey, Ram Chandra : *Panorama of Indian Philosophy* (English & Hindi versions), M.L.B.D., Delhi, 1966
- Radhakrishnan, S. : *Indian Philosophy*, Vol. 1-2, London, 1962 (Also Hindi Translation by Nanda Kishor Gomil, Delhi, 1986)
- Shastri, D.N. : *Critique of Indian Realism*, Bhartiya Vidya Prakashan, Delhi, 1976

Paper 18 – (अभिलेख-शास्त्र, पुरालिपि-शास्त्र एवं कालनिर्धारणपद्धति)

Epigraphy, Palaeography & Chronology

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' अभिलेख-शास्त्र

भाग 'ख' पुरालिपि-शास्त्र

भाग 'ग' चयनित अभिलेखों का आलोचनात्मक अध्ययन

भाग 'घ' कालनिर्धारण-पद्धति

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(अभिलेख-शास्त्र) Epigraphy

अन्विति 1 अभिलेख-शास्त्र का सामान्य परिचय

(Introduction to Epigraphy)

अन्विति 2 प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति के पुनर्निर्माण में भारतीय अभिलेखों का महत्त्व

(Importance of Indian Inscriptions in the reconstruction of Ancient Indian History and Culture)

अन्विति 3 अभिलेखों के प्रकार

(Types of Inscriptions)

अन्विति 4 भारत में अभिलेख-शास्त्र के अध्ययन का इतिहास

(History of Epigraphical Studies in India)

भाग 'ख'

(पुरालिपि-शास्त्र) Paleography

अन्विति 1 लेखन-कला की प्राचीनता

(Antiquity of the Art of Writing)

अन्विति 2 लेखन-सामग्री, लिपिकार, पुस्तकालय इत्यादि

(Writing Materials, Inscribers, Library etc.)

अन्विति 3 प्राचीन भारतीय लिपियों का परिचय तथा ब्राह्मी लिपि का ज्ञान

(Introduction of Ancient Indian Scripts with the knowledge of Brahmi script)

अन्विति 4 प्राचीन भारतीय लिपियों के वाचन का इतिहास

(History of Decipherment of Ancient Indian Scripts)

भाग 'ग'

(चयनित अभिलेखों का आलोचनात्मक अध्ययन)

अन्विति 1 (अ) अशोक का गिरनार प्रस्तर अभिलेख-1

(Asoka's Girnāra Rock Edict-1)

(ब) अशोक का सारनाथ लघुस्तम्भ अभिलेख

(Ashoka's Sāranath Pillar Edict)

अन्विति 2 रुद्रदामन् का गिरनार अभिलेख

(Girnara Inscription of Rudradaman)

अन्विति 3 (अ) समुद्रगुप्त का एरण स्तम्भ अभिलेख

(Eran Pillar Inscription of Samudragupta)

(ब) चन्द्रगुप्त का महरौली लौहस्तम्भ अभिलेख

(Mehrauli Iron Pillar Inscription of Candragupta)

अन्विति 4 (अ) बीसलदेव का दिल्ली टोपरा अभिलेख

(Delhi Toprā Edict of Bīsaladeva)

भाग 'घ'

(कालनिर्धारण-पद्धति) Chronology

अन्विति 1 प्राचीन भारतीय कालनिर्धारण-पद्धति का सामान्य परिचय
(General Introduction to Ancient Indian Chronology)

अन्विति 2 अभिलेखों में तिथ्यङ्कम-पद्धति
(System of Dating in Inscriptions (Chronograms))

अन्विति 3 अभिलेखों में व्यवहृत प्रमुख संवत् : मौर्य संवत्, विक्रम संवत्, शक संवत्, एवं गुप्त संवत्
(Main Eras used in Inscriptions – Maurya Era, Vikram Era, Śaka Era and Gupta Era)

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन

(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' की किन्हीं दो भिन्न-भिन्न अन्वितियों के दो सामान्य प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर	8
(ii)	भाग 'क' से दो टिप्पणियाँ	5+5 = 10
(iii)	भाग 'ख' की किन्हीं दो भिन्न-भिन्न अन्वितियों के दो सामान्य प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर	8
(iv)	भाग 'ख' की शेष दो भिन्न-भिन्न अन्वितियों की चार टिप्पणियों में से किन्हीं दो टिप्पणियों का उत्तर	4+4 = 8
(v)	भाग 'ग' की प्रत्येक अन्विति से कुल चार अभिलेखांशों में से किन्हीं दो का अनुवाद	5+5 = 10
(vi)	भाग 'ग' से किन्हीं दो आलोच्य अभिलेखों में से किसी एक का ऐतिहासिक/सांस्कृतिक/साहित्यिक महत्त्व	8
(vii)	भाग 'ग' से किन्हीं दो आलोच्य अभिलेखों में से किसी एक का विषयवस्तु विवेचन या सार-निरूपण	5
(viii)	भाग 'ग' में आलोच्य अभिलेखों में आगत चार ऐतिहासिक पदों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियां	3 + 3 = 6
(ix)	भाग 'घ' की किन्हीं दो भिन्न-भिन्न अन्वितियों के दो सामान्य प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर	8
(x)	भाग 'घ' की तीसरी अन्विति से कोई एक टिप्पणी	4

कुल अङ्क = 75

नोट – प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रन्थ

- *अभिलेख-मंजूषा* – रणजीत सिंह सैनी, न्यू भारतीय बुक कार्पोरेशन, दिल्ली, 2000.
- *उत्कीर्णलेखपञ्चकम्* – झा बन्धु, वाराणसी, 1968.
- *उत्कीर्णलेखस्तबकम्* – जियालाल काम्बोज, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली.
- *ऐतिहासिक भारतीय अभिलेख* – कृष्णदत्त वाजपेयी, कन्हैया लाल अग्रवाल एवं संतोष वाजपेयी, पब्लिकेशन स्कीम, जयपुर, 1992.
- *भारतीय अभिलेख* – एस.एस. राणा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 1978.
- *भारतीय प्राचीन लिपि माला* – गौरीशंकर हीराचन्द ओझा, अजमेर, 1918.
- *Sanskrit Inscriptions of Delhi Sultanate (1191-1526)* – Pushpa Prasad, Oxford University Press, Delhi, 1990.
- *Select Inscriptions* (Vol. I) – D.C. Sircar, Calcutta, 1965.
- *Some Important Inscriptions of Ashoka, The Guptas, the Maukharis and Others* (Part I) – Sadhu Ram, Munshi Ram Manoharlal, Delhi.

सहायक ग्रन्थ

- नारायण, अवध किशोर एवं ठाकुर प्रसाद वर्मा – *प्राचीन भारतीय लिपिशास्त्र और अभिलेखिकी,* वाराणसी, 1970.
- पाण्डे, राजबली – *भारतीय पुरालिपि,* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1978.

- ब्यूलर, जॉर्ज – *भारतीय पुरालिपिशास्त्र,* (हिन्दी अनु०) मङ्गलनाथ सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1966.
- मुळे, गुणाकर – *अक्षर कथा,* प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, दिल्ली, 2003.
- राही, ईश्वरचन्द – *लेखनकला का इतिहास* (खण्ड 1-2), उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1983.
- सरकार, डी.सी. – *भारतीय पुरालिपि विद्या,* (हिन्दी अनु०) कृष्णदत्त वाजपेयी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 1996.
- सहाय, शिवस्वरूप – *भारतीय पुरालेखों का अध्ययन,* मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- Dani, Ahmad Hasan – *Indian Paleography*, Oxford, 1963.
- Dasgupta, C.C. – *The Development of Kharoṣṭhī Script*, Calcutta, 1958.
- Diringer, D. – *The Alphabet*, London, 1947.
- Gupta, S.P. & K.S. Ramchandran – *The Origin of Brāhmī Script*, D.K. Publication, Delhi, 1979.
- Pillai, Swami Kannu & K.S. Ramchandran – *Indian Chronology* (Solar, Lunar and Planetary), Asian Educational Service, 2003.
- Rao, S.R. – *The Decipherment of Indus Script*, Asia Publishing House, Delhi, 1982.
- Satyamurty, K. – *Text Book of Indian Epigraphy*, Lower Price Publication, Delhi, 1992.
- Sengupta, Chandra – *Ancient Indian Chronology*, University of Calcutta, 1947.
- Sircar, D.C. – *Indian Epigraphy*, Motilal Banarsidas, Delhi, 1965.

Paper 19 – (भाषाशास्त्र एवं भाषा-दर्शन)

Linguistics & Philosophy of Language

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' भाषाशास्त्र

भाग 'ख' भाषा-दर्शन (मम्मटकृत शब्दव्यापारविचार)

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(भाषाशास्त्र)

अन्विति 1 भाषा का स्वरूप, परिभाषा, भाषा की विशेषताएँ, भाषाविज्ञान का स्वरूप, परिभाषा, मुख्य अङ्ग एवं उपादेयता, भाषा की उत्पत्ति के विविध सिद्धान्त: दिव्य उत्पत्ति, मनोभावाभिव्यञ्जक, ध्वन्यनुकरण-सिद्धान्त, प्रतीक-सिद्धान्त, समन्वय-सिद्धान्त

अन्विति 2 संस्कृत की दृष्टि से ध्वनिविज्ञान, पदविज्ञान, वाक्यविज्ञान एवं अर्थविज्ञान का सामान्य अवबोध

अन्विति 3 मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत का विकास, संस्कृत एवं भारोपीय भाषा परिवार

अन्विति 4 संस्कृत एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान के इतिहास का सामान्य परिचय

भाग 'ख'

(भाषादर्शन)

शब्दशक्ति (मम्मटकृत शब्दव्यापारविचार के आधार पर)

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन

(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	अन्विति 1, 3 एवं 4 से एक-एक विवेचनात्मक प्रश्न	10 x 3 = 30
(ii)	अन्विति 1, 2 एवं 3 से एक-एक टिप्पणी	6 x 3 = 18
(iii)	भाग 'ख' से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10 = 10
(iv)	भाग 'ख' से दो लघु टिप्पणियाँ	5 x 2=10
(v)	भाग 'ख' से संस्कृत में एक लघु टिप्पणी	7
	कुल अङ्क	**= 75**

नोट – प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

- तिवारी, भोलानाथ : *तुलनात्मक भाषाविज्ञान*, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1974.
- तिवारी, भोलानाथ : *भाषाविज्ञान*, किताब महल, इलाहाबाद, 1992.
- द्विवेदी, कपिलदेव : *भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2001.
- द्विवेदी, रेवाप्रसाद : *मम्मटकृत शब्दव्यापारविचार* (हिन्दी भाषा सहित), चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1974.
- व्यास, भोलाशंकर : *संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन*, चौखम्बा विद्याभवन, 1957.
- Burrow, T. : *Sanskrit Language* (also trans. into Hindi by Bholashankar Vyas), Chaukhamba Vidya Bhawan, Varanasi, 1991.
- Crystal, David : *The Cambridge Encyclopedia of Language*, Cambridge, 1997.
- Ghosh, B.K. : *Linguistic Introduction to Sanskrit*, Sanskrit Pustak Bhandar, Calcutta, 1977.
- Gune, P.D. : *Introduction to Comparative Philology*, Chaukhamba Sanskrit Pratisthan, Delhi, 2005.
- Jesperson, Otto : *Language: Its Nature, Development and Origin*, George Allen & Unwin, London, 1954.
- Murti, M. Srimannarayana : *An Introduction to Sanskrit Linguistics*, D.K. Publication, Delhi, 1984.
- Taraporewala : *Elements of the Science of Language*, Calcutta University Press, Calcutta, 1962.
- Verma, S.K. & Krishnaswamy,N. : *Modern Linguistics*, Oxford University Press, Delhi, 2005.
- Woolner, A.C. : *Introduction to Prakrit*, Bhartiya Vidya Prakashan, Varanasi.

Semester - VI

Paper 20 – (सौन्दर्यशास्त्र एवं भारतीय रङ्गमञ्च)
Aesthetics, and Indian Theatre

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क'	**काव्यप्रकाश**, चतुर्थ उल्लास, कारिका 27–28 वृत्तिसहित
भाग 'ख'	अलंकार : **साहित्यदर्पण, दशम परिच्छेद** (केवल लक्षण एवं उदाहरण)
भाग 'ग'	**छन्द** : पाठ्यक्रम में निर्धारित काव्य एवं नाट्यग्रन्थों के आधार पर प्रमुख छन्दों के लक्षण और उदाहरण
भाग 'घ'	**नाट्यशास्त्र**, द्वितीय अध्याय एवं भारतीय रंगमंच

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'
(काव्यप्रकाश)

अन्विति 1 काव्यप्रकाश में विवेचित रस–स्वरूप, भरत का रससूत्र व उसकी प्रमुख व्याख्याएं : उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद तथा अभिव्यक्तिवाद, रस की अलौकिकता ।

भाग 'ख'
(साहित्यदर्पण)

अन्विति 1 पुनरुक्तवदाभास, अनुप्रास एवं उसके पांच भेद, यमक, श्लेष, उपमा, मालोपमा, अनन्वय, रूपक, संदेह, भ्रान्तिमान्, उल्लेख, अपह्नुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, तुल्ययोगिता, दीपक, दृष्टान्त, निदर्शना, व्यतिरेक, समासोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, अर्थान्तरन्यास, काव्यलिङ्ग, विभावना, विशेषोक्ति, विरोध, एकावली, स्वभावोक्ति, संसृष्टि एवं संकर ।

भाग 'ग'

(छन्द)

अन्विति 1 — श्लोक अथवा अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, पुष्पिताग्रा, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा ।

भाग 'घ'

(नाट्यशास्त्र)

अन्विति 1 — नाट्यशास्त्र : नाट्यमण्डप, मण्डपनिर्माण की विधि, उसके विभाजन, मत्तवारणी, रङ्गशीर्ष, रङ्गपीठ आदि ।

अन्विति 2 — रंगमंच : स्वरूप-विकास, आधुनिक रंगमंच, पाश्चात्य रंगमंच, हिन्दी रंगमंच, लोक रंगमंच, राष्ट्रीय रंगमंच (देखें सीताराम झा, पृ० 163-211) ।

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन

(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' की प्रथम अन्विति से दो कारिकाओं या गद्यांशों की व्याख्या	7 x 2 = 14
(ii)	भाग 'क' की प्रथम अन्विति से एक संक्षिप्त टिप्पणियाँ	6
(iii)	भाग 'ख' की प्रथम अन्विति से तीन अलंकारों के सोदाहरण लक्षण	4 x 3 = 12
(iv)	प्रदत्त दो उदाहरणों में अलंकारों का लक्षणसहित विवेचन	4 x 2 = 8
(v)	भाग 'ग' की प्रथम अन्विति से दो छन्दों के सोदाहरण लक्षण	3 x 2 = 6
(vi)	प्रदत्त दो उदाहरणों में छन्दों की लक्षणसहित पहचान	2 x 2 = 4
(vii)	भाग 'घ' की प्रथम अन्विति से दो कारिकाओं की व्याख्या	5 x 2 = 10
(viii)	भाग 'घ' की प्रथम अन्विति से एक संक्षिप्त टिप्पणी	5
(ix)	भाग 'घ' की द्वितीय अन्विति से एक समीक्षात्मक प्रश्न	10
	कुल अङ्क	**= 75**

नोट – प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रन्थ

- *काव्यप्रकाश* : मम्मटकृत, आचार्य विश्वेश्वर की व्याख्या सहित, (सं०) नगेन्द्र, ज्ञानमंडल लि०, वाराणसी.

- *काव्यप्रकाश* : मम्मटकृत, बालबोधिनी टीका, पूना.
- *नाट्यशास्त्र* : प्रथमो भागः, अध्याय 1-7, (सं०) रविशंकर नागर, परिमल पब्लिकेशंस, दिल्ली.
- *साहित्यदर्पण* : (व्या०) शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- *साहित्यदर्पण* : (व्या०) सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी.
- *साहित्यदर्पण* : (सं०) दुर्गाप्रसाद द्विवेदी, पाणिनि, नई दिल्ली, 1982.
- *Sāhityadarpaṇa* : (Ch. I, II & X) with Eng. Exposition, Delhi.

सहायक ग्रन्थ

- कान्ता गुप्ता : *छन्दोलङ्कारमञ्जरी*, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली.
- चतुर्वेदी, सीताराम : *भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच*, हिन्दी समिति, लखनऊ, 1964.
- झा, सीताराम : *नाटक और रंगमंच*, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1982.
- देशपांडे, गणेश त्र्यम्बक : *भारतीय साहित्यशास्त्र*, पॉपुलर बुक डिपो, मुम्बई.
- नगेन्द्र : *रससिद्धान्त*, दिल्ली.
- पाण्डे, कान्तिचन्द्र : स्वतन्त्रकलाशास्त्र, चौखम्बा, वाराणसी.
- बारलिंगे, सुरेन्द्र एस० : *भारतीय सौन्दर्य-सिद्धान्त की नयी परिभाषा* (हिन्दी अनुवाद) रामजी तिवारी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2002.
- Bakshi, M.C. : *The Concept of Ancient Indian Theatre*, New Delhi, 1971.
- Gerow, Edwin : *A Glossary of Indian Figures of Speech*, Paris, 1971.
- Ghosh, M.M. : *Nāṭyaśāstra* (Eng. Tr.) Vol. 1, Calcutta.
- Gupta, C.B. : *Indian Theatre*, Munshiram Manoharlal, Delhi.
- Mankad, D.R. : *Ancient Indian Theatre*, Anand.
- Warder, A.K. : *Indian Kāvya Literature*, Motilal Banarsidass, Delhi.

Paper 21 : (संस्कृत भाषा नैपुण्य - III)

Proficiency in Sanskrit Language - III

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' अनुवाद

भाग 'ख' निबन्ध

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(अनुवाद)

अन्विति 1 संस्कृत भाषा में अनुवाद करने के नियम

(क) कारक एवं विभक्ति से सम्बन्धित नियम

(ख) वाच्यपरिवर्तन कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य तथा भाववाच्य (कृदन्त प्रयोग सहित)

(ग) समस्तपदों एवं संख्याओं का प्रयोग, तथा 'संस्कृतभाषानैपुण्य - 1' में परिगणित प्रमुख कृत् व तद्धित का अनुवाद में प्रयोग ।

अन्विति 2 अंग्रेजी / हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद (गद्यांशों एवं स्वतन्त्र वाक्यों दोनों का)

अन्विति 3 संस्कृत के अपठित अंश का हिन्दी / अंग्रेजी में अनुवाद

भाग 'ख'

(निबन्ध)

अन्विति 1 निबन्धलेखनकला - उपक्रम, मुख्य भाग तथा उपसंहार आदि विवेच्य बिन्दुओं एवं उपबिन्दुओं द्वारा रूपरेखानिर्माण तथा समुचित सन्दर्भ आदि के प्रयोग का ज्ञान ।

अन्विति 2 पारम्परिक विषयों, यथा - संस्कृतभाषा, संस्कृति, वेद, उपजीव्य काव्य, उपनिषद्, गीता, प्रमुख संस्कृत कवि एवं उनके वैशिष्ट्यों से सम्बन्धित निबन्ध।

अन्विति 3 - समसामयिक विषयों, यथा - मनोरंजन, क्रीडा, राष्ट्रिय एवं अन्ताराष्ट्रिय घटनाक्रम एवं समस्याओं से सम्बन्धित निबन्ध ।

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(1)	भाग 'क' की अन्विति 1 से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	10
(2)	भाग 'क' की अन्विति 1 से एक टिप्पणी	–	5
(3)	भाग 'क' की अन्विति 2 से अनुवाद	–	15
(4)	भाग 'क' की अन्विति 3 से अनुवाद	–	10
(5)	भाग 'ख' की अन्विति 2 से एक विवेचनात्मक निबन्ध	–	20
(6)	भाग 'ख' की अन्विति 2 से एक लघुनिबन्ध	–	15
		कुल अङ्क =	**75**

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

- द्विवेदी, कपिलदेव – रचनानुवादकौमुदी एवं प्रौढरचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.
  – संस्कृतनिबन्धशतकम्, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.
- नौटियाल, चक्रधर – बृहदनुवादचन्द्रिका, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- पाण्डेय, राधामोहन – *संस्कृत सहचर*, स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स, पटना.
- शास्त्री, आचार्य राम – *संस्कृत-शिक्षण-सरणी*, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली.
- शास्त्री, चारुदेव – *अनुवाद-कला अथवा वाग्व्यवहारादर्श*, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- शास्त्री, चारुदेव – *व्याकरण-चन्द्रोदय*, खण्ड 1-5, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- Apte, V.S. – *The Students' Guide to Sanskrit Composition*, Chowkhamba Sanskrit Series, Varanasi (Hindi Translation *संस्कृत निबन्ध पथप्रदर्शक* also available)
- Kale, M.R. – *Higher Sanskrit Grammar*, MLBD, Delhi (Hindi Translation also available)

Paper 22 - Option A – आधुनिक संस्कृत साहित्य
Modern Sanskrit Literature

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क'	शतककाव्य एवं संस्कृतकाव्य की नयी विधाएँ।
भाग 'ख'	गद्यकाव्य : उपन्यास एवं कथा
भाग 'ग'	गीतिकाव्य : आधुनिक संस्कृत कविता
भाग 'घ'	आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(पद्यकाव्य : महाकाव्य, चरित-काव्य और शतक-काव्य)

अन्विति 1	भीमशतकम् (श्रीकृष्ण सेमवाल) 61-80 पद्य
अन्विति 2	हाइकू (हर्षदेव माधव) चयनित अंश
अन्विति 3	पत्रकाव्यम् (सत्यव्रतशास्त्री) भुवि कम्पनम्
अन्विति 4	नागार्जुन के चयनित पद्य

भाग 'ख'

(गद्यकाव्य - उपन्यास एवं कथा)

अन्विति 1	शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास) - न जाने किमित्यनावश्यकमपि शुश्रूषते मे हृदयमिति कथयित्वा तूष्णीमवतस्थे।
अन्विति 2	त्रिपादी - रेवाप्रसाद द्विवेदी शतपर्विका - अभिराज राजेन्द्र मिश्र

भाग 'ग'

(गीतिकाव्य : आधुनिक संस्कृत कविता)

अन्विति 1	भ्रमराष्टकम्	-	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
अन्विति 2	करुणाकटाक्षलहरी	-	रसिकविहारी जोशी
अन्विति 3	कतमा कविता	-	श्रीनिवासरथ
अन्विति 4	धीवरगीतिः	-	राधावल्लभ त्रिपाठी
अन्विति 5	देववाणी-परिदेवितम्	-	रमाबाई

भाग 'घ'

(आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण)

अन्विति 1 प्रमुख पद्यकाव्य, गद्यकाव्य, दृश्यकाव्य एवं संस्कृत पत्र-पत्रिकाएँ

[C]	**प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन** **(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)**	
(i)	भाग 'क' की प्रत्येक रचना के दो पद्यों में से एक का अनुवाद (कुल आठ में से चार)	2.5 x 4 = 10
(ii)	भाग 'क' से किन्हीं दो रचनाओं के दो पद्यों में से एक की व्याख्या (कुल चार में से दो)	5+5 = 10
(iii)	भाग 'क' से किन्हीं दो रचनाओं/रचनाकारों में से किसी एक रचना/ रचनाकार से सम्बद्ध काव्यालोचनापरक प्रश्न जैसे शैली, युगबोध, सामाजिक सन्देश आदि (कुल दो प्रश्नों में से एक)	5
(iv)	भाग 'ख' की प्रत्येक रचना से एक गद्यांश का चयन करते हुए कुल तीन गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या	5x3=15
(v)	भाग 'ग' से निर्दिष्ट रचनाकारों / रचनाओं में से किसी एक रचनाकार/रचना से सम्बद्ध आलोचनात्मक लघु प्रश्न जैसे, शैली, युगबोध, सामाजिक सन्देश आदि (कुल दो प्रश्नों में से एक)	5
(vi)	भाग 'ग' की निर्दिष्ट किन्हीं पाँच रचनाओं में से दो पद्यों का अनुवाद (कुल चार में से दो)	3+3=6
(vi)	भाग 'ग' की निर्दिष्ट रचनाओं/रचनाकारों में से किसी एक रचना/ रचनाकार से सम्बद्ध आलोचनात्मक लघु प्रश्न जैसे शैली, युगबोध, सामाजिक सन्देश आदि (कुल दो प्रश्नों में से एक)	4
(vii)	भाग 'ग' से निर्दिष्ट रचनाओं/रचनाकारों में से किसी एक रचना/ रचनाकार का आधुनिक संस्कृत कविता के क्षेत्र में योगदान (कुल दो प्रश्नों में से एक)	5
(viii)	भाग 'घ' की पद्यकाव्य, गद्यकाव्य, दृश्यकाव्य एवं पत्र-पत्रिकाओं से सम्बद्ध सामान्य सर्वेक्षणात्मक दो प्रश्नों में से एक प्रश्न	7
(ix)	भाग 'घ' के प्रमुख रचनाकारों / रचनाओं तथा पत्र-पत्रिकाओं से सम्बद्ध चार में से दो संक्षिप्त टिप्पणियां	4+4 = 8
		कुल अङ्क = 75

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रन्थ

- *आधुनिक संस्कृत-साहित्य-संचयन* - (सम्पा०) गिरीशचन्द्र पन्त, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008.
- *तदेव गगनं सैव धरा* (काव्यसंग्रह) - श्रीनिवास रथ विरचित, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, दिल्ली.
- *भीमशतकम्* - श्रीकृष्ण सेमवाल विरचित, हिन्दी अनुवाद सहित, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली.
- *विंशशताब्दी-संस्कृत-काव्यामृतम्* - (संक०) राजेन्द्र मिश्र (भाग-1)

सहायक ग्रन्थ

- उपाध्याय, रामजी - *आधुनिक संस्कृत नाटक*, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1996.
- त्रिपाठी, राधावल्लभ - *संस्कृत साहित्य : बीसवीं शताब्दी*, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, दिल्ली, 1999.
- दीक्षित, हरिनारायण - *संस्कृत साहित्य में राष्ट्रिय भावना*, ईस्टर्न बुक लिङ्कर्स, दिल्ली, 2006.
- भार्गव, दयानन्द - *आधुनिक संस्कृत साहित्य*, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, 1987.
- मिश्र, रामगोपाल - *संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास*, विवेक प्रकाशन, दिल्ली, 1976.
- मीरा द्विवेदी - *आधुनिक संस्कृत महिला नाटककार*, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2000.
- रुचि कुलश्रेष्ठ - *बीसवीं शताब्दी का संस्कृत लघुकथा साहित्य*, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, दिल्ली, 2008.
- शास्त्री, कलानाथ - *आधुनिक काल का संस्कृत गद्य-साहित्य*, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, दिल्ली, 1995.
- शुक्ल, हीरालाल - *आधुनिक संस्कृत साहित्य*, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद, 1971.
- Dixit, Ratnamaye - Women in Sanskrit Dramas, Delhi.

- Joshi, K.R. & S.M. Ayachuit – *Post Independence Sanskrit Literature*, Nagpur, 1991.
- Prajapati, Manibhai K. – *Post Independence Sanskrit Literature: A Critical Survey*, Patna, 2005.
- Shukla, Hiralal – *Modern Sanskrit Literature*, New Bhartiya Book Corporation, Delhi, 2002.
- Usha Satyavrat – *Sanskrit Dramas of the Twentieth Century*, Mehar Chand Lachmandas, Delhi, 1987.

Paper 22 Option - B – (गणित एवं खगोल विद्या)

Mathematics & Astronomy

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' भारतीय गणितविद्या (Indian Mathematics)

भाग 'ख' भारतीय खगोलविद्या (Indian Astronomy)

भाग 'ग' भारतीय गणित एवं खगोल विद्या का संक्षिप्त इतिहास (A brief History of Indian Mathematis & Astronomy)

भाग 'घ' खगोलीय गणनाओं हेतु प्रमुख प्राचीन यन्त्र (Important Ancient Instruments for Astronomical Calculation)

भाग 'च' वेधशालाएँ (Observatories)

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(गणित विद्या)

अन्विति 1 लगध ज्योतिष (याजुष ज्यौतिषम्) - पद्यसंख्या 4 एवं 42
{गणितशास्त्र का महत्त्व व त्रैराशिक का नियम (The Rule of Three) = 2 पद्य}

अन्विति 2 लीलावती - भास्कराचार्य - 'प्रीतिं भक्तजनस्य....' से निघ्नोऽभीष्टघ्नगुण्यान्वित-वर्जितो वातक।
(मङ्गलाचरण, परिभाषा, अभिन्नपरिकर्माष्टक में गुणनविधि (Multiplication) तक) = 21 पद्य

अन्विति 3 वैदिक गणित – जगद्गुरु श्री भारती कृष्णतीर्थ – 5 सूत्र

अन्विति 4 पारिभाषिक शब्दावली – गणित, गणित के भेद – अमूर्त {बीजगणित (Algebra), कलन (Calculus), संख्या-सिद्धान्त (Theory of Numbers) आदि} व अनुप्रयुक्त {गतिविज्ञान (Dynamics), स्थितिविज्ञान (Statics), द्रवगतिविज्ञान (Hydrodynamics) आदि), संख्या (Numbers), अङ्क (Digit), शून्य (Zero), अनन्त (Infinity), दशमलव (Decimal), वर्ग एवं वर्गमूल (Square&Square root) , घन एवं घनमूल (Cube & Cube root), शर या कर्ण (Hypotenuse), चाप (Arc), ज्या (Sine), कोटिज्या (Versed sine), स्पर्शज्या (Tangent), आयतन (Volume), मूल (Root), करणी (Surd), समीकरण (Equation), रज्जु (Measurements), कोण (Angles)} = 20

भाग 'ख'
(खगोल विद्या)

अन्विति 1 लगध ज्योतिष (याजुष ज्यौतिषम्) – पद्य संख्या 1, 2, 3 & 43 (खगोलीय गणनाओं का प्रयोजन व फल)

अन्विति 2 सूर्यसिद्धान्त – मानाध्याय (14वाँ अध्याय) – ब्राह्मं दिव्यं तथा....से लोके रहस्यं ब्रह्मसम्मितम्।। तक

अन्विति 3 आर्यभटीयम् – आर्यभट – गोलपाद (1-22 पद्य – मेषादेः कन्यान्तम्...से स्वधिया च कालसमम्।। तक) (भूगोल एवं खगोल वर्णन)

भाग 'ग'
(गणित एवं खगोल विद्या का संक्षिप्त इतिहास)

अन्विति 1 वेदाङ्ग ज्योतिष, शुल्बसूत्र, पञ्चसिद्धान्तिका, सूर्यसिद्धान्त, आर्यभट प्रथम, वराहमिहिर, ब्रह्मगुप्त, श्रीधर, द्वितीय आर्यभट, श्रीपति, भास्कराचार्य, गणेशदैवज्ञ, कमलाकर, जयसिंह, सुधाकर द्विवेदी

भाग 'घ'
(खगोलीय गणनाओं हेतु प्रमुख प्राचीन यंत्र)

अन्विति 1 नाडीवलययन्त्र, याम्योत्तरीयतुरीययन्त्र, सम्राट्पलभायन्त्र, शङ्कुयन्त्र, तारामण्डल, चक्रयन्त्र, याम्योत्तरधरातलीयतुरीययन्त्र, क्रान्तिवृत्तयन्त्र, तुला-कर्क-मकरराशिवलययन्त्र, क्रान्तिवृत्तयन्त्र, तुला-कर्क-मकरराशिवलययन्त्र, षष्ठांशयन्त्र

भाग 'च'

(वेध शालाएँ)

अन्विति 1 जयपुर वेधशाला (जयसिंह निर्मित), काशी की वेधशाला, जन्तर-मन्तर (दिल्ली)

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन (Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' की अन्विति 1 और 2 से किन्हीं तीन पद्यों की सोपपत्तिक व्याख्या	5 x 3 = 15
(ii)	भाग 'क' की अन्विति 3 से किसी एक सूत्र की सोपपत्तिक व्याख्या/उदाहरण	10
(iii)	भाग 'क' की अन्विति 4 से किन्हीं दो पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी	5 x 2 = 10
(iv)	भाग 'ख' की अन्विति 1 से एक तथा 2 व 3 से दो-दो पद्यों की व्याख्या (कुल पाँच पद्य) अथवा पाठ्यांश पर आधारित पाँच टिप्पणियाँ	4 x 5 = 20
(v)	भाग 'ग', 'घ' की अन्वितियों से दो-दो तथा भाग 'च' से एक संक्षिप्त टिप्पणी	4 x 5 = 20
	कुल अङ्क	**= 75**

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रन्थ

- *लगधज्योतिष* (याजुष् व आर्च संस्करण) – लगधाचार्य सोमाकर, सुधाकर भाष्य, लघुविवरण संस्कृत टीका, विस्तृत भूमिका, सान्वयानुवाद व सुयशा हिन्दी टीका सहित - पुनीता शर्मा, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली, 2008.
- *लीलावती* – श्रीमद्भास्कराचार्य, सान्वय-सोपपत्तिक-सोदाहरण- नूतन-गणितोपेत-सपरिशिष्ट-तत्त्वप्रकाशिका-हिन्दीव्याख्योपेता - लषणलाल झा, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी, 1994.

- *सूर्यसिद्धान्त* – कपिलेश्वर शास्त्री विरचित श्रीतत्त्वामृतभाष्योपपत्ति टिप्पणी सहित, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1987.
- *Aryabhatiya of Aryabhata* – With the commentary of Bhaskara I and Somesvara, (ed.) K.S. Shukla and K.V. Sarma, Indian National Science Academy, New Delhi, 1976.
- *Pancasiddhantika of Varahamihira* – Text edited with Sanskrit commentary & English translation with introduction of G. Thibaut & Sudhakara Dwivedi, Chowkhambha Sanskrit Series Office, Varanasi, 1977.
- *Suryasiddhanta* – (A Text Book of Hindu Astronomy), Ebenezer Burgess, Indological Book House, Delhi, 1977.
- *The Sulbasutras* – (Baudhyana, Apastamba, Katyayana & Manava), with Text, English translation and commentary by S.N. Sen & A.K. Bag, Indian National Science Academy, New Delhi, 1983.
- *Vedanga Jyotisa of Lagadha in its Rk & Yajus Recensions* – (Eng. Tr. & Notes) T.S. Kuppanna Sastri, (ed.) K.V. Sarma, Indian National Science Academy, New Delhi, 1985.
- *Vedic Mathematics* – Jagadguru Swami Sri Bharati Krsna Tirthaji Maharaja, Motilal Banarsidass, Delhi, 2009.

सहायक ग्रन्थ

- उपाध्याय, बलदेव – *प्राचीन भारतीय गणित* (ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा भाषाशास्त्रीय अध्ययन), विज्ञान भारती, नई दिल्ली, 1971.
- गोरखप्रसाद – *भारतीय ज्योतिष का इतिहास*, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान (हिन्दी समिति ग्रन्थमाला-1), लखनऊ, 1974.
- दाहाल, लोकमणि – *भारतीयज्योतिषशास्त्रस्येतिहासः*, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1990.
- द्विवेदी, भोजराज – *आचार्य वराहमिहिर का ज्योतिष में योगदान*, रञ्जन पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2002.

- दीक्षित, शङ्कर बालकृष्ण – *भारतीय ज्योतिष* (मूलतः मराठी में, हिन्दी अनुवाद – शिवनाथ झारखण्डी), उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान (हिन्दी समिति ग्रन्थमाला–9), लखनऊ, 1990.
- ब्रजमोहन – *गणित का इतिहास,* हिन्दी समिति, सूचना विभाग, (हिन्दी समिति ग्रन्थमाला–102), लखनऊ, 1965.
- शर्मा, कल्याणदत्त – *वेधशाला परिचय पुस्तिका,* लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली, 1994.
- शास्त्री, नेमिचन्द्र – *भारतीय ज्योतिष,* भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987.
- सत्यप्रकाश – *वैज्ञानिक विकास की भारतीय परम्परा,* बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना.
- Bag, A.K. – *Mathematics in Ancient and Medieval India*, Chowkhambha Orientalia, Varanasi, 1979.
- Bentley, John – *Hindu Astronomy* (The Ancient and Modern Astronomy), Shri (India) Publishing House, 1990.
- Tilak, Bal Gangadhar – *Vedic Chronology and Vedāṅga Jyotisa.*
  Bhardwaj, Sudhikant – *Surya Siddhanta – An Astrolinguistic Study*, Parimal Publications, Delhi, 1991.

Paper 23

Concurrent - Discipline Centered II